दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 263

ग्वालियर, रविवार 12 जून 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

संजय राउत बोले राज्यसभा चुनाव के परिणाम से सरकार पर खतरा नहीं

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विपक्षी दल भाजपा ने सत्ताधारी शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन को झटका देते हुए राज्यसभा की छह में से तीन सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा के पास पर्याप्त संख्या नहीं थी, लेकिन 17 विधायकों के मतों का जुगाड़ करके देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना सुप्रीमो और सूबे के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की नाक के नीचे से एक सीट निकाल ली। इसके साथ फडणवीस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सियासत के मैदान के मंझे हुए खिलाड़ी हैं। हार स्वीकार करते हुए राकांपा के दिग्गज नेता शरद पवार ने कहा कि हमें इस सरप्राइज को स्वीकार करना होगा और यह कबूल करना होगा कि देवेंद्र फडणवीस निर्दलीय विधायकों को अपने पाले में लाने में समर्थ रहे। एमवीए ने फडणवीस को राज्यसभा के लिए सर्वसम्मति बनाने की पेशकश की थी, लेकिन छह में से दो सीटों का प्रस्ताव भाजपा को स्वीकार नहीं था। इसकी वजह से करीब 24 साल बाद राज्य में राज्यसभा सीट के लिए चुनाव कराने की नौबत आई। शिवसेना के उम्मीदवार की हार के बाद संजय राउत ने कहा कि इसका महा विकास अघाड़ी सरकार की स्थिरता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। निर्वाचन आयोग की ओर से विजयी घोषित उम्मीदवारों में भाजपा के पीयूष गोयल, अनिल बोंडे और धनंजय महादिक, शिवसेना के संजय राउत, राकांपा के

प्रफुल्ल पटेल और कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी शामिल हैं। मुकाबला छठी सीट के लिए था, जिस पर भाजपा ने पूर्व सांसद धनंजय महादिक को मैदान में उतारा था, जबकि संजय पवार शिवसेना के प्रत्याशी थे। दोनों पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर से ताल्लुक रखते हैं। छठी सीट पर पवार को महादिक के हाथों हार का सामना करना पड़ा। आयोग के मुताबिक, कुल 284 वैध मतों में से पीयूष गोयल को 48, अनिल बोंडे को 48, धनंजय महादिक को 41, संजय राउत को 41, इमरान प्रतापगढ़ी को 44, प्रफुल्ल पटेल को 43 और सजंय पवार को 39 वोट मिले। पहले पांच विजेताओं की घोषणा पहले राउंड के बाद ही कर दी गई, लेकिन धनजंय महादिक की घोषणा दूसरी वरीयता के मतों की गिनती के बाद हुई। इससे पहले वोटिंग के बाद करीब 9 घंटे तक काउंटिग शुरू नहीं हो पाई। भाजपा और सत्तारूढ़ गठबंधन द्वारा क्रॉस वोटिंग और नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कुछ वोट अयोग्य ठहराने की मांग की गई थी। जिन पांच विधायकों को लेकर दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें आई थीं। उनके वोट डालने के वीडियो फुटेज को देखने के बाद चुनाव आयोग ने शिवसेना विधायक सुहास कांडे के वोट को खारिज करने का निर्देश दिया। इसके बाद देर रात करीब दो बजे मतगणना शुरू हुई। चौंकाने वाले नतीजों के बाद कांग्रेस नेताओं ने एमवीए में समन्वय की कमी की बात मानी। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने कहा कि यह मंथन का विषय है कि कहां चूक हुई। उन्होंने कहा, भाजपा मतगणना को रुकवाने और एक वोट को अमान्य घोषित कराने में सफल रही।

जम्मू-कश्मीर पुलिस को मिली बड़ी सफलता, दो आतंकवादी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की बारामूला पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने पट्टन से भर्ती किए गए दो नए उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है क्षेत्र पंचायत और अल्पसंख्यक

समुदाय के सदस्यों की हत्या को अंजाम देने का काम इन्हे सौंपा गया था। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए इन दोनों आतंकवादी स्थानीय निवासी हैं और इनका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से है। जम्मू-कश्मीर की बारामूला पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने पट्टन से भर्ती किए गए दो नए उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है क्षेत्र पंचायत और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों की हत्या को अंजाम देने का काम इन्हे सौंपा गया था। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए इन दोनों आतंकवादी स्थानीय निवासी हैं और इनका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से है।10 जून को सुरक्षाबलों को घाट पल्हालन इलाके में इन दोनों आतंकियों की गतिविधि के बारे में विशेष जानकारी मिली थी। बारामूला पुलिस और 29 आरआर की संयुक्त टीमों ने शाम के वक्त योजना बनाकर उन्हें पकड़ लिया।

विधानसभा चुनाव में सपा की हार पर अब तक हैरान हैं आजम खान

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के कद्दावर विधायक एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान ने यूपी विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार पर हैरानी जताते हुये कहा कि हार पर मायूस

होने के बजाय ऊपर वाले के फैसले पर यकीन करना होगा। शुक्रवार देर रात कार्यकर्ताओं के साथ एक संक्षिप्त बैठक में खान ने कहा पूरा मुल्क हैरान है और हैरतजदा है कि यूपी में समाजवादी की सरकार क्यों नहीं बनी। यह बात समझ में ही नहीं आती क्यों नही बनी। हमारा हिसाब फेल, सरकार बनाने वालों का गणित फेल, हर कोई हैरान है, क्या हुआ है, हारने वालों को हारने का भरोसा नहीं, जीतने वालों को जीतने का यकीन नहीं। क्या हुआ है, यह तो ऊपर वाला ही जानता है। हमें कुदरत के फैसले के आगे सर झुका देना चाहिए। उन्होंने कहा एक ऐसे शख्स का साथ दें जिसके दामन पर कोई दाग नहीं, जिसकी पेशानी साफ है। हमारा दामन तो इतना दागदार कर दिया है कि हमें अपने दामन पर अफसोस होता है। जिसका जो जी चाहता है वह हम पर इल्जाम लगा देता है। बकरी चोर, भैंस चोर, किताब चोर, हमने शराब की दुकान लूटी है, बल्कि हमने इन चीजों की डकैती की है। पार्टी कार्यालय दारुल उलूम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आजम ने कहा मैं सिर्फ शपथ के लिए थोड़ी सी देर के लिए विधानसभा गया था।

जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा में अभी तक 227 लोगों को गिरफ्तार किया गया

सीएम के मीडिया सलाहकर उप्रदवियों को दी चेतावनी

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों में जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा के सिलसिले में अभी तक 227 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया, इस संबंध में राज्य में 227 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें प्रयागराज में 68, हाथरस में 50, सहारनपुर में 48, अंबेडकरनगर में 28, मुरादाबाद में 25 और फिरोजाबाद में आठ लोग शामिल हैं।

इस बीच, हिंसा करने वालों को परोक्ष चेतावनी देकर उप्र के मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार मृत्युंजय कुमार ने ट्वीट में कहा, उपद्रवी याद रखें, हर शुक्रवार के बाद एक शनिवार जरुर आता है। कुमार ने अपने ट्वीट के साथ एक इमारत को ध्वस्त करते हुए एक बुलडोजर की तस्वीर भी ट्वीट की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश जारी करते

हुए कहा, विगत दिनों प्रदेश के विभिन्न शहरों में माहौल बिगाड़ने के लिए हुए अराजक प्रयासों में शामिल समाजविरोधी तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी। इसतरह के असामाजिक लोगों के लिए सभ्य समाज मे कोई स्थान नहीं है। यह ध्यान रखें कि किसी भी निर्दोष का उत्पीड़न न हो, लेकिन दोषी एक भी न बचे। गौरतलब है कि प्रयागराज और सहारनपुर सहित कई जिलों में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा की निलंबित नेता नुपुर शर्मा की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद लोगों ने नारेबाजी और पथराव किया था। लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर और लखनऊ जिलों से नमाज के बाद नारेबाजी की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि सहारनपुर,मुरादाबाद और रामपुर में जुमे की नमाज के बाद लोगों ने सड़कों पर नारेबाजी की थी। पुलिस के मुताबिक लखनऊ के चौक इलाके में स्थित टीले वाली वाली मस्जिद के अंदर भी कुछ देर के लिए नारेबाजी हुई थी। सहारनपुर से मिली सूचना के अनुसार नमाज के बाद कुछ लोगों ने हाथों मे तख्तियां लेकर नारेबाजी की थी। पुलिस ने बताया कि नेहरू बाजार इलाके में कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जबकि देवबंद में भी नमाज के बाद मदरसे के कुछ छात्रों ने पोस्टर–बैनर लेकर नारेबाजी की थी।

जेपी नड्डा की रूट की व्यवस्था में हुई थी लापरवाही 8 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

गोरखपुर। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्?यक्ष जेपी नड्डा यूपी के गोरखपुर में बीजेपी के क्षेत्रीय कार्यालय का लोकार्पण किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्?यक्ष जेपी नड्डा के गोरखपुर दौरे के दौरान रूट व्यवस्था में लापरवाही पाई गई जिस पर पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। वीबीआईपी के रूट व्यवस्था में लापरवाही को लेकर एसएसपी ने 8 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है। सस्पेंड किए गए पुलिसकर्मियों में एक निरीक्षक, एक उपनिरीक्षक, 4 कांस्टेबल, 2 महिला कांस्टेबल शामिल हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्?यक्ष जेपी नड्डा गोरखपुर में बीजेपी के क्षेत्रीय कार्यालय का लोकार्पण करने पहुंचे थे। सीएम योगी भी कार्यक्रम में मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कांग्रेस और सपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग गांधीजी और खादी के नाम पर राजनीति करते रहे। लेकिन इसे आगे नहीं बढ़ाया। उन्होंने कहा कि सीएम योगी ने इसे वोकल फॉर लोकल से आगे बढ़ाया। मैंने किसी जात-पात की बात नहीं की। कांग्रेस-सपा जात-पात की राजनीति करती हैं।

शिक्षित होने के कारण ही महिला को काम करने पर मजबूर नहीं कर सकते: बांबे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि एक महिला को सिर्फ इसलिए कि वह शिक्षित है अपना खर्च स्वयं उठाने को काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने अपनी अलग रह रही पत्नी को गुजारा भत्ता देने के फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। जस्टिस भारती डांगरे की सिंगल जज बेंच पुणे में फैमिली कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाले व्यक्ति द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थीं। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि एक महिला के पास काम करने या घर पर रहने का विकल्प है, भले ही वह योग्य हो और उसके पास शैक्षिक डिग्री हो।

जज ने कहा कि हमारे समाज ने अभी तक यह स्वीकार नहीं किया है कि घर की महिला को आर्थिक रूप से योगदान देना चाहिए। काम करना महिला की अपनी पसंद है। उसे काम पर जाने के लिए सिर्फ इसलिए मजबूर नहीं किया जा सकता है, क्योंकि वह ग्रेजुएट है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह घर नहीं बैठ सकती है। जस्टिस डांगरे ने कहा कि आज मैं इस कोर्ट की जज हूं। कल, मान लीजिए मैं घर पर बैठ सकती हूं। क्या तब आप यह कहेंगे कि मैं जज बनने के काबिल हूं इसलिए मुझे घर पर नहीं बैठना चाहिए?। याचिकाकर्ता व्यक्ति के वकील ने तर्क दिया कि पारिवारिक अदालत ने उनके मुवक्किल को भरण-पोषण का भुगतान करने का अनुचित निर्देश दिया था, क्योंकि उसकी अलग हुई पत्नी ग्रेजुएट थी और उसके पास काम करने और जीवन यापन करने की क्षमता थी। वकील अजिंक्य उडाने के माध्यम से दायर अपनी याचिका में उस व्यक्ति ने यह भी आरोप लगाया कि उसकी अलग रह रही पत्नी के पास वर्तमान में आय का एक स्थिर स्रोत था, लेकिन उसने इस तथ्य को अदालत से छुपाया था। याचिकाकर्ता ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी जिसमें उसे पत्नी को हर महीने 5,000 रुपये और अपनी 13 वर्षीय बेटी के भरण-पोषण के लिए 7,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था, जो वर्तमान में उसके साथ रहती है। हाईकोर्ट इस मामले में अगले सप्ताह आगे की सुनवाई करेगा।

अगर कोई हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करता है, तब लोगों को 'सच' बताया जाएगा : प्रज्ञा सिंह ठाकुर

भोपाल। भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी को लेकर देश के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शनों के बीच पार्टी की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने नुपुर का समर्थन करते हुए कहा कि अगर कोई हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करता है, तब लोगों को 'सच' बताया जाएगा। सांसद ठाकुर की टिप्पणी के बाद विपक्षी दल कांग्रेस ने भाजपा से स्पष्टीकरण मांगा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नुपुर को विवादित टिप्पणी के कारण पार्टी से निलंबित कर चुकी है। ठाकुर ने कहा, यह सत्य है, कि वहां (ज्ञानवापी में) भगवान शिव का मंदिर था, है और रहेगा। इस फव्वारा कहना गलत है। यह हमारे हिंदू देवी-देवता और सनातन धर्म पर कुठाराघात है, इसलिए हम असलियत बताएंगे। उन्होंने कहा, हमारी असलियत तुम बता दो हमें

स्वीकार है, लेकिन तुम्हारी असलियत बता रहे हैं, तब क्यों तकलीफ है? इसका मतलब है कि कहीं न कहीं इतिहास गंदा है। सच कहना अगर बगावत है, तब समझो हम भी बागी हैं। नुपुर को विवादास्पद टिप्पणी के बाद फोन पर कथित रूप से धमकी मिलने के बारे में पूछने पर ठाकुर ने कहा, ''हमेशा विधर्मियों ने ऐसा किया है। कमलेश तिवारी (लखनऊ के एक हिंदू संगठन के नेता) ने कुछ कहा, तब उससे इन्हें (विधर्मियों को) पीड़ा हुई और वर्ष 2019 में उसका कत्ल कर दिया गया। ठाकुर ने कहा, ''विधर्मी अपनी गंदी मानसिकता से हमारे देवी-देवताओं को बुरा-भला बोलते हैं। फिल्मों के जरिए हमारे देवी-देवताओं का अपमान करते हैं। हम चुप रहते हैं, हमें विरोध करना होगा। हम अपने देवी-देवताओं के अपमान को कैसे सहन कर सकते हैं? भाजपा सांसद ने कहा, जो इतिहास है, वहां सच है। एक लंबा कम्युनिस्ट इतिहास है?ये भारत हिंदुओं का है और यहां सनातन धर्म जिंदा रखना पड़ेगा। ये हमारी जिम्मेदारी है। सांसद प्रज्ञा ठाकुर के बयान पर प्रतिक्रिया देकर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा, भाजपा ने नुपुर शर्मा को निलंबित कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है।

गहलोत-पायलट कैंप में फिर खींचतान पायलट को लाओ और राजस्थान को बचाओ

नई दिल्ली। राजस्थान में राज्यसभा चुनाव होने के बाद एक बार फिर गहलोत और पायलट कैंप के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। सचिन पायलट समर्थक विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने एक बार फिर सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। करौली के श्रीमहावीर में हुई जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने इशारों-इशारों में सीएम अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा। पायलट समर्थक विधायक ने सोलंकी ने कहा कि हम कांग्रेस के हितैषी हैं। कांग्रेस की सरकार दोबारा कैसे बने यह सब जानते हैं। उन्होंने नारा दिया- ÷पायलट को लाओ और

राजस्थान बचाओ। मतलब साफ है कि राजस्थान में राज्यसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस को सभी विधायकों ने वोट दिया हो लेकिन अभी प्रदेश में गहलोत पायलट के बीच कुर्सी का संघर्ष जारी रहेगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट 10 जून को राज्यसभा का वोट डालते ही करौली के श्रीमहावीर पहुंचे। जहां उन्होंने शहीद इंस्पेक्टर हनुमंत सिंह एवं कांस्टेबल विमल सिंह की मूर्ति का अनावरण कर विशाल किसान सम्मेलन को संबोधित किया था। पायलट कैंप के विधायक वेद सोलंकी ने कहा कि किसानों की आवाज उठाकर सबसे पहला आंदोलन जयपुर में सचिन पायलट ने ही किया था। आज सभा स्थल में तापमान की बात हो रही है और कहा जा रहा है कि 40 डिग्री टेंपरेचर ऊपर और 40 डिग्री टेंपरेचर नीचे है ,लेकिन लोगों के दिलों में कितना टेंपरेचर है इसे कौन नापेगा? इस टेंपरेचर को नापने का समय कब आएगा ?क्योंकि अब समय नहीं है।

खास खबर

कश्मीर में पर्यटन विभाग के तीन दिवसीय सूफी महोत्सव में उमड़ी लोगों की भीड़

श्रीनगर। कश्मीर में सूफियों और ऋषियों की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग आगे आया है। विभाग की ओर से तीन दिवसीय सूफी महोत्सव का आयोजन श्रीनगर में किया गया है ताकि लोग पुरानी परम्पराओं, संस्कृति और शिक्षा से रूबरू कर सके। सूफी महोत्सव का आयोजन श्रीनगर के एसकेआईसीसी में किया गया है। सूफी महोत्सव के आयोजन में पर्यटन विभाग के अलावा संस्कृति विभाग, वक्फ बोर्ड तथा अन्य कई विभागों का भी योगदान है। सूफी महोत्सव का उद्घाटन उपराज्यपाल के सलाहकार आरआर भटनागर ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सूफीवाद खुद से साक्षात्कार का एक तरीका है और हमारे सूफियों और ऋषियों ने जो मार्ग हमें दिखाया है उस पर सभी को चलना चाहिए। बता दें कि तीन दिवसीय सूफी महोत्सव के दौरान चश्मा शाही, पहलगाम और एसकेआईसीसी में सूफियों और ऋषियों की शिक्षाओं पर प्रकाश डालने वाले कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इतना ही नहीं सूफी महोत्सव में लोगों की अपार भीड़ उमड़ रही हैं।

किम ने देश में हथियारों के निर्माण को दोगुना करने की घोषणा की

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश में हथियारों के निर्माण को दोगुना करने की घोषणा करते हुए इसकी वजह एक उग्र सुरक्षा वातावरण बताया। वहीं अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारियों का कहना है कि उत्तर कोरिया एक और आसन्न परमाणु परीक्षण की तैयारी के साथ आगे बढ़ रहा है। तीन दिनों की बैठक के दौरान परमाणु कूटनीति में लंबे समय तक गतिरोध के बीच अमेरिका या प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया की कोई सीधी आलोचना शामिल नहीं थी। किम ने आत्मरक्षा के संप्रभु अधिकारों के एक सही उपयोग के रूप में अपने हथियारों के विकास का बचाव कर कहा कि सशस्त्र बलों और सैन्य वैज्ञानिकों द्वारा इसको आगे बढ़ाया जाएगा। रिपोर्ट में परमाणु विस्फोट सहित परीक्षण गतिविधि के संबंध में किसी विशिष्ट लक्ष्य या योजना का उल्लेख नहीं किया गया था। सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में देश के प्रमुख मामलों की भी समीक्षा की गई, जिसमें पिछले महीने देश में पहली बार आधिकारिक रूप से स्वीकार किए गए कोरोना के प्रकोप को कम करने के प्रयास शामिल थे।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पीटर द ग्रेट से की अपनी तुलना

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी तुलना 17वीं सदी के अंतिम रूसी सम्राट पीटर द ग्रेट से की है। पहले रूसी सम्राट को समर्पित एक प्रदर्शनी के दौरान पुतिन ने 18वीं शताब्दी में पीटर द ग्रेट की स्वीडन की विजय की तुलना यूक्रेन पर अपने आधुनिक सैन्य आक्रमण से करने की कोशिश की। अपनी टिप्पणियों में, पुतिन ने तर्क दिया कि पीटर द ग्रेट जीत नहीं रहे थे, बल्कि उस क्षेत्र के लिए संघर्ष कर रहे थे, जो कि रूस के अधिकार में थे। उन्होंने यूक्रेन में युद्ध के समानांतर, रूस की हालिया सैन्य कार्रवाइयों का सुझाव दिया जहां उनके सैनिकों ने यूक्रेनी शहरों को नष्ट कर दिया और हजारों निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को मार डाला। पुतिन ने कहा कि यूरोपीय देशों ने पहले सेंट पीटर्सबर्ग को रूसी के रूप में मान्यता नहीं दी थी, इसे त्रीमिया सहित रूसी-कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों में वर्तमान स्थिति के साथ तुलना करते हुए अमेरिका और यूरोपीय सहयोगी रूस के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे।

ट्रेन हादसे रोकने के लिए लगेंगे कवच खुद रुकेगी ट्रेन

आगरा। भारतीय रेलवे ने कवच नाम की सुरक्षा प्रणाली तैयार की है जिससे अब रेल हादसों को रोका जा सकता है। आगरा रेल मंडल के मथुरा-पलवल खंड में चल रही ट्रेनों को भारतीय रेल का नया सुरक्षा कवच मिलेगा। ट्रेनों को ट्रेन कोलिजन सुरक्षा प्रणाली से लैस किया जाएगा। रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफएआई) उपकरणों से युक्त ट्रेनें हादसों से बच सकेंगी। ये सिस्टम यात्री रेल और मालगाड़ी ट्रेन दोनों में लगेंगे।

न्यूज़ ट्रैक....

भारत के राहुल ने पैरा निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली । भारत के पैरा निशानेबाज राहुल जाखड़ ने फ्रांस में जारी पैरा निशानेबाजी विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पी5 मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्टैंडर्ड एसएच1 और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। इसी के साथ ही पेरिस पैरालम्पिक के इस क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने पांच स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते हैं । गौरतलब है कि टोक्यो पैरालम्पिक 2020 में मिश्रित 25 मीटर पिस्टल फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे जाखड़ ने हमवतन रूबिना फ्रांसिस को हराया। उन्होंने पहली तीन सीरिज में 90 से अधिक का स्कोर किया और उनका कुल स्कोर 367 सिक्स एवस रहा। वहीं फ्रांस के इडेन गाएले को कांस्य पदक मिला है। जाखड़ ने इससे पहले क्रोएशिया में साल 2019 विश्व कप में भी पुरूषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था।

रविवार को होने वाले दूसरे टी-20 मैच की टिकटों के लिए हंगामा

कटक (ईएमएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए टिकटों की भारी मांग रही जिससे कतार में खड़े लोगों ने हंगामा मचा दिया। इस दौरान स्टेडियम में अफरातफरी मच गई और क्रिकेट प्रेमियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी माना है कि कुछ दिक्कतें आयीं पर उसे पुलिस ने संभाल लिया। इस मामले में अतिरिक्त जिला पुलिस आयुक्त प्रमोद रथ ने कहा कि करीब 40,000 लोग काउंटर पर कतार में थे जबकि 12,000 टिकट ही बिक्री के लिए उपलब्ध थे। इस कारण हालात को संभालने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा जिससे टिकट बिक्री की प्रक्रिया सुचारु हो सके।

मैरीकॉम राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर

नई दिल्ली । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम घुटने में चोट लगने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर हो गयी हैं। मैरीकॉम को 48 किग्रा वर्ग के ट्रायल मुकाबले के बीच में ही घुटना मुड़ने के कारण हटना पड़ा है। उनके हटने से हरियाणा की नीतू राष्ट्रमंडल खेलों के लिए जारी ट्रायल्स के फाइनल में पहुंच गयी हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने इस बारे में एक बयान जारी कर कहा है कि मैरीकॉम चोटिल होने के कारण 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए जारी ट्रायल्स से हट गई हैं। मैरीकॉम बाऊट के पहले ही दौर में रिंग में गिर गई। मैरीकाम ने इसके बाद भी विरोधी मुक्केबाज नीतू से मुकाबला जारी रखने का प्रयास किया पर एक दो मुक्के के बाद ही वह रिंग में गिर पड़ीं। इसके बाद उन्हें रिंग से बाहर जाना पड़ा और रेफरी ने नीतू को विजेता घोषित कर दिया। अब नीतू का मुकाबला राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में जगह बनाने के लिए एक अन्य मुक्केबाज मंजू रानी से होगा। मैरीकॉम ने अगले महीने बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान देने के लिए ही विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों से नाम वापस ले लिया था पर बदकिस्मती से वह ट्रॉयल में ही घायल होकर बाहर हो गयीं। मुकाबले के बाद मणिपुर की इस मुक्केबाज के घुटने पर पट्टी बांधी गई और उसे स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया।

दक्षिण कोरिया में मैत्री फुटबॉल मुकाबले में सोंग हयूंग मिन ने पराग्वे के खिलाफ गोल दागा।

फीलिंग में कीपिंग ग्लव्स पहनकर उतरे बाबर आजम

अंपायर ने पाकिस्तान पर लगाया 5 रन का जुर्माना, टीम ने 120 रन से जीता मैच

मुल्तान। पाकिस्तान के खिलाड़ी अक्सर हंसी के पात्र बनते रहे हैं। चाहे उनकी खराब इंग्लिश हो या फिर मैदान पर बिहेवियर हो। शुक्रवार को पाकिस्तान-वेस्ट इंडीज वनडे मुकाबले में भी ऐसा हुआ। जब पाकिस्तान कप्तान बाबर आजम एक हाथ में विकेट कीपिंग ग्लव्स पहनकर मैदान पर उतर गए। उनकी इस गलती की वजह से मैदानी अंपायर ने पाकिस्तानी टीम पर 5 रनों की पेनाल्टी लगाई या फिर ये कहें कि वेस्ट इंडीज को 5 रन बोनस के तौर पर दे दिए। मामला 29वें ओवर का है। इस पेनाल्टी के बाद पाकिस्तानी फैन्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। एक ने तो क्रिकेट बुक को उर्दू में ट्रांसलेट करने की मांग कर दी, ताकि पाकिस्तानी खिलाड़ी क्रिकेट नियमों को अच्छे से जान सकें।

यह है नियम

अंपायर ने यह पेनाल्टी क्रिकेट के नियम 28.1 के तहत दी है। जिसमें लिखा है कि विकेटकीपर को छोड़कर कोई भी खिलाड़ी ग्लव्स और बाहरी लेग गार्ड जैसी चीजें नहीं पहन सकेगा। हां, बल्लेबाज का नजदीकी खिलाड़ी हेल्मेट का उपयोग कर सकता है। उधर मैच में पाकिस्तानी पारी के दौरान एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान के अंतर घुस आया। ऐसे में मुकाबले को बीच में रोकना पड़ा। हालांकि, वह 39वें ओवर में शादाब से गले लगकर वापस भी लौट गया।

72 पर रन आउट हुए इमाम, पटका झटका

पाकिस्तानी पारी के 28वें ओवर में इमाम उल हक 72 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इससे गुस्साए इमाम विकेट पर ही अपना बैट झटकते दिखाई दिए। इमाम ने अकील हुसैन की गेंद को मिडविकेट की ओर खेला और सिंगल लेने का प्रयास किया। लेकिन नॉन स्ट्राइक छोर पर खड़े कप्तान बाबर आजम ने बिल्कुल भी रुचि नहीं दिखाई। जबकि इमाम दौड़कर दूसरे छोर पर पहुंच गए। ऐसे में इमाम ने वापस लौटने की असफल कोशिश की।

वेस्ट इंडीज को मिला 276 रनों का टारगेट

इस पेनाल्टी के बाद वेस्ट इंडीज की टीम को 276 रनों का टारगेट मिला। हालांकि, कैरेबियाई टीम 32.2 ओवर में महज 155 रन ही बना सकी। उसकी ओर से एस ब्रूक्स ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। काइल मायर ने 33 रन का योगदान दिया। पाक गेंदबाज मोहम्मद नवाज ने 4 और मोहम्मद वसीम ने 3 विकेट चटकाए। इससे पहले पाकिस्तान की पारी में कप्तान बाबर आजम ने 77 और इमाम उल हक 72 रनों का योगदान दिया। शादाब और खुशदिल ने 22-22 रन जोड़े। अकील हुसैन ने तीन विकेट लिए। अल्जफरी जोसेफ और एंडरशन फिलिप्स ने दो-दो विकेट लिए।

पाकिस्तान की बड़ी जीत

तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले को पाकिस्तान की टीम ने 120 रनों के बड़े अंतर से जीता। इस जीत की बदौलत टीम ने सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। उसने पहले मुकाबले में वेस्ट इंडीज को पांच विकेट से हराया था।

आईपीएल के अगले पांच सत्र के मीडिया अधिकारों के लिए रविवार को लगेगी बोली

वायकॉम, डिज्नी-हॉटस्टार, सोनी, ज़ी और अमेजन जैसी कंपनियों के बीच होगी टक्कर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के अगले 5 सीजन 2023 से 2027 तक के मीडिया अधिकारों के लिए रविवार को बोली लगेगी। वहीं साल 2017 में स्टार इंडिया ने आईपीएल के मीडिया अधिककार खरीदे थे। उस समय स्टार इंडिया ने ये अधिकार 2.55 अरब डॉलर में खरीदे थे। तब यह दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट डील थी। वहीं इस बार आईपीएल अधिकारों की बोली पहली बार ई नीलामी के जरिए लगेगी। इसकी शुरुआत रविवार सुबह 11 बजे मुंबई में होगी और सभी बोलियां समाप्त होने तक यह नीलामी जारी रहेगी। खरीदे गए अधिकार आईपीएल के पांचवें सत्र के लिए मान्य होंगे। आईपीएल के मीडिया अधिकारों के लिए इस बार 50 से 60 हज़ार करोड़ रुपये तक की बोली लगेगी। आईपीएल के इन मीडिया अधिकारों को खरीदने के लिए मुख्य रूप से वायकॉम, डिज्नी-हॉटस्टार, सोनी, ज़ी और अमेजन के बीच टक्कर है। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी तादाद में लोग आईपीएल देखते हैं, इसलिए डिज्नी-हॉटस्टार और अमेजन जैसी कंपनियां भी राइट्स खरीदने की दौड़ में लगी हैं। मीडिया अधिकारों के लिए 4 पैकेज उपलब्ध हैं। पैकेज ए में केवल भारतीय उपमहाद्वीप के लिए टीवी पर प्रसारण के अधिकार दिए जाएंगे। वहीं पैकेज बी में डिजिटल अधिकार दिए जाएंगे जो केवल भारतीय उपमहाद्वीप में प्रसारण के लिए होंगे जबकि पैकेज सी में सीमित मैचों जैसे के लिए अधिकार दिए जाएंगे जो कि सिर्फ भारतीय उपमहाद्वीप में प्रसारण के लिए होंगे। वहीं पैकेज डी में दुनिया के बाकी हिस्सा में प्रसारण के लिए टीवी और डिजिटल टेलिकास्ट के लिए मीडिया अधिकार दिए जाएंगे।

ऋषभ टी20 विश्वकप में बेहद सफल रहेंगें :पोंटिंग

मुंबई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आगामी टी20 विश्व कप में बेहद सफल रहेंगे। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ को तेज और उछाल भरी पिचों पर बल्लेबाजी के दौरान लाभ मिलेगा उन्हें जरुरत के अनुसार किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। पोंटिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी से जुड़े हैं जिसकी कप्तानी ऋषभ के हाथों में है। उनका मानना है कि ऋषभ शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। पोंटिंग ने कहा, 'ऋषभ एक बेहतरीन खिलाड़ी है। एक बेहतरीन युवा खिलाड़ी जो टी20 विश्व कप में भारत के लिए फायदेमंद क्रिकेटर होगा क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई विकेटों सपाट होने के साथ ही तेज और उछाल भरे भी हैं। उसके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें लगी होंगी। पोंटिंग के अनुसार इस खिलाड़ी को किसी भी बल्लेबाजी क्रम में भेजा जा सकता है पर मैं उसे सातवें नंबर पर चाहूंगा। पोंटिंग ने कहा, 'कुछ निश्चित हालातों में जहां सात-आठ ओवर बचे हों तो मैं उसे भेजना चाहूंगा और जितना समय बचा हो देना चाहूंगा। वह इतना शानदार और इतना आक्रामक खिलाड़ी है कि मैं उसका इस्तेमाल इसी तरह करना चाहूंगा। पोंटिंग के अनुसार पंत आईपीएल में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश थे क्योंकि टूर्नामेंट से पहले वह जिस प्रकार की बल्लेबाजी कर रहा था वैसी टूर्नामेंट में नहीं कर पाया।

व्यापारन्यूज

नेपाल ने भारत को 364 मेगावाट बिजली का निर्यात शुरू किया

काठमांडू । नेपाल ने अपने बिजली एक्सचेंज बाजार के जरिये भारत को कुल स्वीकृत 364 मेगावाट बिजली का निर्यात करना शुरू कर दिया है। नेपाल सरकार के स्वामित्व वाले निकाय नेपाल बिजली प्राधिकरण (एनईए) के अनुसार इस साल अच्छी बारिश होने से नेपाल लगातार दूसरे वर्ष अपने बिजली एक्सचेंज बाजार के माध्यम से भारत को अधिशेष बिजली का निर्यात कर रहा है। एनईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि त्रिशूली और देवीघाट जलविद्युत परियोजनाओं से 37.7 मेगावाट, कालीगंडकी जलविद्युत परियोजना से 140 मेगावाट, मध्य मर्सियांगडी से 68 मेगावाट, मर्सियांगडी से 67 मेगावाट और लिखु -4 से 51 मेगावाट की बिक्री भारत को की जा रही है। एनईए ने ?पिछली दो जुन को त्रिशूली और देवीघाट से पैदा हुई उत्पन्न बिजली की बिक्री शुरू की थी। इस साल जून से नवंबर के आ?खिर तक भारत को 364 मेगावाट बिजली बेचने से नेपाल को 4.78 अरब रुपए प्राप्त होने की संभावना है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 20वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली । देश में तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 20वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल के आगे चल रही है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपए और डीजल का दाम 89.62 रुपए प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपए और 97.28 रुपए प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये और छह रुपए प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से कमशः 9.5 रुपए और सात रुपए तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 122.01 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.86 प्रतिशत गिरकर 120.47 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

फिच ने भारत की वित्तीय साख की संभावनाओं को सुधारा

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिंच ने भारत की वित्तीय साख की आगे की संभावनाओं के अपने अनुमान को सुधारा है और इसे नकारात्मक से स्थिर श्रेणी में कर दिया है। फिच रेटिंग्स ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की साख में गिरावट का जोखिम घटा है क्योंकि देश की आर्थिक वृद्धि की मध्यकालीन संभावनाओं का संकट कम हुआ है। अर्थव्यवस्था की हालत तेजी से सुधरी है तथा भारत के वित्तीय क्षेत्र की कमजोरियां कम हुई हैं। यद्यपि वैश्विक जींस बाजार में कीमतों की उछाल से देश के सामने चुनौती बनी हुई है। एजेंसी ने, वैसे भारत की एक देश के रूप में वित्तीय साख बीबीबी ऋणात्मक के वर्तमान स्तर पर बनाए रखा है। फिच ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार का क्रम तेज बना हुआ है। इससे पहले मूडीज और स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने भी भारत के आर्थिक परिदृश्य के अपने अनुमानों को पहले से अच्छा किया। इससे भारत के नीति निर्माताओं पर एक ऐसे समय में दबाव कम होगा जबकि रूस और यूक्रेन के युद्ध से पैदा हालात के बीच स्थितियां चुनौतीपूर्ण हुई हैं। फिच ने भारत के आर्थिक परिदृश्य का आकलन करते हुए देश के विदेशी मुद्रा भंडार और बुनियादी संकेतकों पर गौरव किया है। फिंच ने उल्लेख किया है कि मार्च 2022 में समाप्त वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था ने 8.7 प्रतिशत की मजबूती वृद्धि दर्ज की। उसने चालू वित्त वर्ष 2022 - 23 में भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 7.8 फीसदी किया है। मार्च में उसने इसके 8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। फिच का कहना है कि विश्व बाजार में जींस की कीमत में उछाल के आघात से वृद्धि दर में सुधार की संभावनाएं प्रभावित हुई हैं। फिच का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कि मध्यकालीन संभावनाएं अन्य समकक्ष देशों की तुलना में बेहतर हैं और इससे देश की वित्तीय साख को दो तरफा समर्थन समर्थन मिलता है। उसका अनुमान है कि 2022-23 में भारत में मुद्रास्फीति औसतन 6.9 फीसदी के ऊंचे स्तर पर बनी रहेगी। एजेंसी ने बताया है कि मुद्रास्फीति का यह दबाव विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में जींस के दाम में तेजी के कारण बढ़ है, साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था में मांग भी मजबूत चल रही है।

अमेरिका में महंगाई ने तोड़ा 40 सालों का रिकॉर्ड

वाशिंगटन । अमेरिका में महंगाई मई महीने में चार दशकों के अपने सबसे ऊंचे स्तर 8.6 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसके पीछे मुख्य कारण गैस, खानपान और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमत बढ़ने से है। अमेरिका के श्रम विभाग ने मई 2022 के महंगाई से जुड़े आंकड़े जारी किए। विभाग ने बताया कि पिछले महीने कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स एक साल पहले की तुलना में 8.6 प्रतिशत बढ़ गया है। एक महीने पहले अप्रैल में उपभोक्ता कीमतें एक साल पहले के इसी महीने की तुलना में 8.3 प्रतिशत बढ़ी थीं। वहीं मासिक आधार पर देखें तो, मई में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में अप्रैल की तुलना में एक फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी मार्च की तुलना में अप्रैल में हुई 0.3 फीसदी की बढ़ोतरी की तुलना में काफी ज्यादा है। अमेरिका पिछले कुछ महीनों से लगातार महंगाई की ऊंची स्थिति से जूझ रहा है। खानपान एवं अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से एक अमेरिकी परिवार के लिए जीवन-यापन करना काफी मुश्किल हो गया है। इसकी सबसे ज्यादा मार अश्वेत समुदाय और निम्न-आय वर्ग के लोगों को झेलनी पड़ रही है। मार्च 2022 में कंज्यूमर प्राइस आधारित महंगाई 1982 के बाद पहली बार 8.5 फीसदी पर पहुंची थी। इस बढ़ी हुई महंगाई ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को भी ब्याज दर में बढ़ोतरी के लिए मजबूर किया है।

कच्चा तेल 10 साल के उच्च स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली । भारतीय मानक कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 10 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसके बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषक प्रकोष्ठ के मुताबिक भारत की ओर से खरीदे जाने वाले कच्चे तेल की कीमतें 9 जून को बढ़कर 121.28 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गईं। यह फरवरी, मार्च, 2021 के बाद एक दशक का उच्च स्तर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के तुरंत बाद भारतीय मानक कच्चा तेल 25 फरवरी, 2022 से 29 मार्च के बीच औसतन 111.86 डॉलर प्रति बैरल रहा। उधर, अमेरिका जैसे प्रमुख ग्राहकों की मजबूत मांग के कारण वैश्विक बाजार में कच्चा तेल गुरुवार को 13 सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक बाजार में अगस्त के लिए ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.81 डॉलर घटकर 122.26 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। अमेरिकी मानक कच्चा तेल का भाव जुलाई के लिए 0.79 डॉलर घटकर 120.72 डॉलर रहा। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में खुदरा कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम नवंबर, 2021 से पेट्रोल पंपों पर बिकने वाले ईंधन के दाम लागत से कम रखे हुए हैं। भारत अपनी कुल जरूरतों का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। उद्योग के सूत्रों का कहना है कि स्थानीय पेट्रोल पंपों पर कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल के मानक के अनुसार हैं। महंगाई पर काबू पाने में सरकार की मदद करने के लिए तेल कंपनियों ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं। ऐसे में उद्योग को पेट्रोल पर 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 21 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां नुकसान के बावजूद कामकाज जारी रखी हुई हैं।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा : बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही

सेंसेक्स 1,016 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 54,303 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में पूरे सप्ताह भर गिरावट दर्ज की गई। सप्ताह की शुरुआत में बाजार गिरावट पर खुले और आखिर में भी भारी गिरावट पर बंद हुए। घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह के पांचों दिन कमजोरी दर्ज की गई। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजारों में तेज बिकवाली के बीच आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, बैंकिंग और एनर्जी शेयरों में नुकसान के साथ बाजार में गिरावट रही। कारोबारियों के अनुसार रुपए की विनिमय दर में गिरावट, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी का भी बाजार की धारणा पर असर पड़ा। पिछले सप्ताह भर के शेयर बाजार के कारोबार पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 226.7 अंक गिरकर 55,542.53 पर खुला और 93.91 अंक की गिरावट के साथ 55,675.32 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 67.05 अंक गिरकर 16,517.25 पर खुला और 14.75 अंक की गिरावट के साथ 16,569.55 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 559.46 अंक गिरकर 55,115.86 पर खुला और 567.98 अंक की गिरावट के साथ 55,107.34 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 161.05 अंक गिरकर 16,408.50 पर खुला और 153.20 अंक गिरकर 16,416.35 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 68.73 अंक की गिरावट के साथ 55,038.61 पर खुला और 214.85 अंक की गिरावट के साथ 54,892.49 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 13.15 अंक टूटकर 16,403.20 पर खुला और 60.10 अंक की गिरावट के साथ 16,356.25 पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 277.91 अंक की गिरावट के साथ 54,614.58 पर खुला और 427.79 अंक चढ़कर 55,320.28 पर बंद हुआ। निफ्टी 76.40 अंक टूटकर 16,279.85 पर खुला और 121.85 अंक की ब?त के साथ 16,478.10 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 597.2 अंक या 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,723.08 पर खुला और 1,016.84 अंक की ब?ी गिरावट के साथ 54,303.44 पर बंद हुआ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट आई है। लगातार दो हफ्ते तक बढ़ने के बाद 3 जून, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 30.60 करोड़ डॉलर घटकर 601.057 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले 27 मई, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 3.854 अरब डॉलर बढ़कर 601.363 अरब डॉलर पर पहुंच गया था जबकि 20 मई, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.695 अरब डॉलर घटकर 597.73 अरब डॉलर रह गया था।

आरबीआई के जारी किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, 3 जून को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक में भारत की एफसीए 20.8 करोड़ डॉलर घटकर 536.779 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। आंकड़ों के मुताबिक रिपोर्टिंग वीक में गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 7.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.843 अरब डॉलर रह गया। रिपोर्टिंग वीक में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (एमआईएफ) में देश का एसडीआर यानी स्पेशल ड्राइंग राइट 2.8 करो? डॉलर घटकर 18.41 अरब डॉलर रह गया।

माधुरी दीक्षित ने पिंक लहंगे में करवाया फोटोशूट

माधुरी दीक्षित खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक है ये सोशल मिडिया पर काफी एक्टिव रहती है अपने फेन्स के साथ काफी फोटोज शेयर करती है माधुरी ने इन दिनों अपनी कुछ फटोज़ पोस्ट की जिसमे वे काफी खूबसूरत नजर आ रही है इन फोटोज में वे पिंक कलर का लहंगा पहनी हुई नजर आ रही है माधुरी अपनी इन फोटोज में हल्के और डार्क पिंक कलर में जरी लहंगा पहने हुई नजर आ रही है इसके साथ डार्क पिंक लिपस्टिक,ड्राप डायमंड झुमके और एक नेकपीस के साथ अपना खूबसूरत लुक देती हुई दिखाई दे रही है इन ड्रेस के साथ माधुरी ने अपने बालो में बन बनाया हुआ है माधुरी का मॉडर्न लुक हो या फिर ट्रेडिशनल लुक उनका हर स्टाइल उनके फेन्स को काफी पसंद आता है और उनकी हर फोटो सोशल मिडिया पर हंगामा करती है माधुरी का ये ऑउटफिट डांसिंग रियलिटी शो डांस दीवाने का है एक्ट्रेस का ये पिंक कलर का अंदाज उनके फेन्स ने काफी पसंद किया है माधुरी के फेन्स ने उनकी इस फोटोज पर काफी लाइक्स और कमेंट किये है किसी एक ने तो उनको जलपरी का इमोजी कमेंट किया है माधुरी के वर्कफ्रंट की बता करे तो ये रियलिटी शो डांस दीवाने 3 में जज के रूप में नजर आ रही है पिछली बार ये फिल्म कलंक में नजर आयी थी।

पार्थ समथान ने उनकी चॉकलेट बॉय इमेज को तोड़ने के लिए एकता कपूर को दिया धन्यवाद

अभिनेता पार्थ समथान आगामी सीरीज मैं हीरो बोल रहा हूं में एक तूफानी किरदार में नजर आएंगे। उन्हें टेलीविजन के कई वर्षों के दौरान अपनी चॉकलेट बॉय की छवि को बदलने की खुशी भी है। अभिनेता

कैसी ये यारियां और कसौटी जिंदगी की जैसे सीरियल में अपनी भूमिकाओं के लिए एक जाना माना चेहरा बन चुके हैं। उनकी स्वच्छ छवि के कारण उनके प्रशंसकों में बड़ी वृद्धि हुई है। हालांकि, एकता कपूर के अगले प्रोडक्शन मैं हीरो बोल रहा हूं में वह हाई ऑक्टेन एक्शन करते हुए दिखाई देंगे। पार्थ ने कहा, बस कुछ चाहना ही काफी नहीं है। वह इच्छा, जब आप कुछ हासिल करना चाहते हैं, साथ ही कड़ी मेहनत करने की इच्छा रखते हैं, यही वह चीज है, जो इंसान को महान बनाती है। मैं सही मायने में एकता (कपूर) मैम के लिए आभारी हूं कि उन्होंने मुझे आगे बढ़ाया और मेरे लिए बनी चॉकलेट बॉय की छवि को तोड़ा। उसने मुझे लगातार याद दिलाया कि एक अभिनेता के लिए यह कितना महत्वपूर्ण है कि उसे एक ही चीज में बंद होकर नहीं रहना चाहिए।

मुझे उम्मीद है कि लक्ष्मी घर आई में मेरा किरदार सामाजिक बदलाव लाएगा: अक्षित सुखिजा

जैसे हमारी संस्कृति के बारे में कुछ अच्छी बातें प्रचलित हैं उसी प्रकार इसमें कुछ सामाजिक बुराइयां भी हैं, जिसे सुधारने की बेहद जरूरत है। सौभाग्य से, अधिक से अधिक लोकप्रिय ब्रांड समाज के प्रति अपनी नैतिकता का एहसास करते हुए अपने नए- नए कॉन्टेंट में एक दूसरे से आगे निकल रहे हैं। इस समय में भारतीय टेलीविजन प्रेरणा लेने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है चाहे वह भावनात्मक हो, सामाजिक हो, अलौकिक हो या फिर संकट के समय में हो। टेलीविजन मनोरंजन का एक स्रोत है जो पूरे भारत में जनता को आकर्षित करता है। यह समझते हुए स्टार भारत ने हाल के दिनों में ऐसे शोज लाए हैं, जो सामाजिक संदेश देते हैं जैसे बच्चियों की भ्रूण हत्या प्रति जागरूकता पैदा करना और अब चैनल अपने एक नए शो लक्ष्मी घर आई के जरिए समाज में दहेजप्रथा को लेकर फैली कुरीतियों को के खिलाफ लोगों में जागरूकता बढ़ाएगा। इस शो में अनन्या खरे मुख्य विलन के रूप में नजर आएंगी, जिनका नाम है ज्वाला जो राघव (अभिनेता अक्षय सुखीजा द्वारा अभिनीत किरदार) की माँ और मैथली (अभिनेत्री सिमरन द्वारा अभिनीत किरदार) की सास हैं। सभी कलाकारों ने आगे आकर एक इन्फ्लुएंसर के रूप में समाज को अपना एक अलग योगदान दिया है और अब इस क्लब में शामिल होने जा रहे हैं अक्षित सुखीजा।

नेहा शर्मा हो रही है इंस्टाग्राम पर वायरल

भले ही नेहा शर्मा फिल्मों में कम ही नजर आती हों लेकिन इंस्टाग्राम पर उनका जलवा बरकरार है। नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने दिलकश अंदाज से फैन्स की नींदें चुराती रहती हैं। एक बार फिर नेहा ने अपने बोल्ड अवतार से फैन्स के होश उड़ा दिए हैं। तो आइए आपके दिखाते हैं नेहा की ये हॉट फोटोज। भले ही नेहा शर्मा फिल्मों में कम ही नजर आती हों लेकिन इंस्टाग्राम पर उनका जलवा बरकरार है। नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने दिलकश अंदाज से फैन्स की नींदें चुराती रहती हैं। एक बार फिर नेहा ने अपने बोल्ड अवतार से फैन्स के होश उड़ा दिए हैं। तो आइए आपके दिखाते हैं नेहा की ये हॉट फोटोज। नेहा शर्मा अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर कर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इन फोटोज में नेहा शर्मा स्वीमिंग पूल के किनारे बैठी नजर आ रहीं हैं, नेहा की इन तस्वीरों पर फैन्स का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर नेहा के लाखों फैन्स हैं, जो उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते रहते हैं। आपको बता दें कि नेहा शर्मा क्रूक, क्या सुपर कूल हैं हम, यंगिस्तान, यमला पगला दीवाना, तुम बिन 2, मुबारकां और तान्हाजी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में नेहा ने व्हाइट बिकनी में अपनी तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वो काफी बोल्ड लग रहीं थीं।

मोबाइल एडिक्शन की लत

आज डिजिटलीकरण के इस दौर में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच होने हमारे कस्बे और गांव पूरी तरह से तकनीक की चपेट में आ चुके हैं। महामारी ने ज्यों दुनियाभर में लॉकडाउन की परिस्थितियों को निर्मित किया उसके बाद से तो स्कूलों में पढ़ाई भी मोबाइल से होने लगी। लगभग एक-दो साल तक 9वीं से 12वीं तक के किशोरवय बच्चों ने मोबाइल के सहारे सीखा। हलांकि कई गांवों में बेहद गरीबी में मां-बाप ने कर्ज लेकर बच्चों की पढ़ाई के लिए मोबाइल भी खरीदे। उनके दो-तीन बच्चों ने उस एक मोबाइल से क्या पढ़ा होगा यह तो शोध का विषय है लेकिन शहरों में अभिभावक खुश थे कि बच्चे मोबाइल पर ऑनलाइन क्लासेस कर रहे थे। हालांकि 20-25 बच्चे जब ऑनलाइन क्लास में जुड़ते थे तब पढ़ाई कम शोर ही ज्यादा होता था लेकिन बच्चे शिक्षकों के आने से बैठ जरूर जाते थे। बहरहाल लॉकडाउन और मोबाइल पर सीखने के दौरान हमारे समाज में और भी बहुत कुछ घटा। कुछ घटनाओं और बदलावों को संदर्भ में रखकर इसे समझने की कोशिश करते हैं। इस तरह हमने थोड़ा कम सोचा या उस बदलाव को देखा ही नहीं। हम जहां भी रहते हैं वहां के अखबारों में लॉकडाउन के वक्त और उसके बाद की खबरें देखेंगे तो कई तरह की खबरें मिल जाएंगी। कहीं बच्चों की ऑनलाइन क्लास में कोई अवांछित घुसकर अश्लील वीडियो चल जाने की खबर होगी तो कहीं बच्चों ने कोरोना काल में ऑनलाइन क्लास के लिए मोबाइल नहीं मिलने पर आत्मघाती कदम उठाने की खबरें भी मिल जाएंगी। जो भी हो बीते दो सालों में हमारे बच्चे, खासकर किशोरवय उम्र के स्कूली छात्र आनलाइन दुनिया से भली भांति परिचित हो गए। लेकिन दुखद यह हुआ है कि बच्चे और किशोरावस्था के स्कूल छात्र इंटरनेट की अथाह दुनिया में इस कदर डूब गए हैं कि मोबाइल एडिक्शन की शक्ल ले चुका है। टीनएजर्स में सोशल मीडिया का एक खतरनाक चलन जो बढ़ गया है उसकी एक बानगी भर है कि इंदौर में कुछ महीनों पहले ही एक डॉक्टर की बेटी ने आत्महत्या कर ली। वजह इतनी सी थी कि स्मोकिंग करते हुए उसके फोटो खींच उसकी ही सहेली ने उस पर दबाव डाला। बाद में खबरों से पता चला कि उसे बोल्ड फोटो खिंचवाने का शौक था। अक्सर हमारे आसपास अक्सर हमें किशोर अवस्था के बच्चे सोशल मीडिया पर स्टेटस बतौर डालने के लिए कई तरह के स्टंट करते हुए फोटो और वीडियो बनाते हुए दिख जाएंगे। हम सभी जानते हैं कि किशोर अवस्था में लड़के-लड़कियों में बहुत से बदलाव आते हैं। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन खुद को दिखाने का जो जुनून स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने उनके भीतर भर दिया है उसके परिणाम बहुत भयानक हो रहे हैं। कई बार अपने बोल्ड फोटो खींचने के चलते बच्चे गंभीर हादसों का शिकार भी हो रहे हैं। एक और बात हुई है जिससे बच्चों के माता-पिता बहुत परेशान हैं। ऑनलाइन गेम्स। मोबाइल फोन पर हल्के-फुल्के गेम्स खेलते-खेलते बच्चे कब हिंसा भरे और कसीनो(जुए) जैसे गेम्स खेलने लगते हैं, पता ही नहीं चलता। पढ़ाई के लिए पैरेंट्स से मोबाइल लेकर बच्चे ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं। ब्लू व्हेल और पब जी जैसे खतरनाक खेलों ने तो न जाने कितने बच्चों की जानें ली हैं। सरकारों ने ऐसे मामले बढ़ते देख कई तरह के गेम्स पर प्रतिबंध भी लगाया है। लेकिन कंटेंट के लिहाज से देखें इंटरनेट महासागरों का भी महासागर है। डेवलपर्स इस तरह के एप्लिकेशंस और गेम्स तैयार कर देते हैं कि वे इंटरनेट पर किसी और शक्ल में भी मौजूद रह सकते हैं। इन गेम्स ने एक तरह की बहुत बुरी लत हमारे बच्चों में लगा दी है।

बालश्रमः 20 वर्ष बाद भी नहीं सुधरे हालात

योगेश कुमार गोयल

(विश्व बालश्रम निषेध दिवस (12 जून) पर विशेष)

बालश्रम की समस्या पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती बनी है। हालांकि इस समस्या के समाधान के लिए बालश्रम पर प्रतिबंध लगाने हेतु कई देशों द्वारा कानून भी बनाए गए हैं लेकिन फिर भी स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। बालश्रम के प्रति विरोध, इसके लिए लोगों को जागरूक करने, बालश्रम की क्रूरता तथा बालश्रम को पूरी तरह समाप्त करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 12 जून को दुनियाभर में 'बालश्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 'अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' (इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन) द्वारा वर्ष 2002 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को बाल मजदूरी से बाहर निकालकर उन्हें शिक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी। बच्चों की समस्याओं पर विचार करने के लिए पहला बड़ा अंतर्राष्ट्रीय प्रयास अक्तूबर 1990 में न्यूयार्क में विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था, जिसमें गरीबी, कुपोषण और भुखमरी के शिकार दुनिया भर के करोड़ों बच्चों की समस्याओं पर 151 देशों के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श किया था। हालांकि चिंता की बात यही है कि बालश्रम निषेध दिवस मनाते हुए 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी बाल मजदूरी पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। बढ़ती जनसंख्या, निर्धनता, अशिक्षा, बेरोजगारी, खाद्य असुरक्षा, अनाथ, सस्ता श्रम, मौजूदा कानूनों का दृढ़ता से लागू न होना इत्यादि बालश्रम के अहम कारण हैं। बालश्रम के ही कारण बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं, उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, बाल अपराध बढ़ते हैं और भिक्षावृत्ति, मानव अंगों के कारोबार तथा यौन शोषण के लिए उनकी गैर कानूनी खरीद-फरोख्त होती है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में 5 और 17 वर्ष की उम्र के बीच 15 करोड़ से ज्यादा बच्चे बाल मजदूरी करने को विवश हैं, जिनमें से 7.3 करोड़ बच्चे बहुत बदतर परिस्थितियों में खतरनाक कार्य कर रहे हैं, जिनमें सफाई, निर्माण, कृषि कार्य, खदानों, कारखानों में तथा फेरी वाले व घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में कार्य करना शामिल हैं। आईएलओ के अनुसार हाल के वर्षों में खतरनाक श्रम में शामिल 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों की संख्या बढ़कर करीब दो करोड़ हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार 15 से 24 वर्ष आयु के 54 करोड़ युवा श्रमिकों में से 3.7 करोड़ बच्चे हैं, जो खतरनाक बालश्रम का कार्य करते हैं, जो विश्व की कुल श्रमिक क्षमता का 15 फीसद है और पिछले ढ़ाई वर्षों के कोरोना काल में तो इन आंकड़ों में बड़ी वृद्धि होने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य के तहत हालांकि वर्ष 2025 तक बाल मजदूरी को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प लिया गया है लेकिन पूरी दुनिया में बालश्रम के आंकड़े जिस प्रकार बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसा होता संभव नहीं दिखता।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनीसेफ) की एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि दुनियाभर में 13 करोड़ से भी ज्यादा बच्चे किसी न किसी कारण स्कूल नहीं जा पाते। वैसे दुनिया के विभिन्न देशों में बालश्रम को लेकर बच्चों की अलग-अलग आयु निर्धारित की गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार श्रम करने वाले 18 वर्ष से कम आयु वालों को बाल श्रमिक माना गया है जबकि आईएलओ के मुताबिक बालश्रम की उम्र 15 वर्ष तय की गई है। अमेरिका में 12 वर्ष अथवा उससे कम उम्र वालों को बाल श्रमिक माना जाता है जबकि हमारे यहां भारतीय संविधान के अनुसार किसी उद्योग, कल-कारखाने अथवा किसी कम्पनी या प्रतिष्ठान में शारीरिक अथवा मानसिक श्रम करने वाले 5 से 14 वर्ष की आयु वाले बच्चों को बाल श्रमिक कहा जाता है। भारत में भी बाल श्रम, बाल शोषण और बाल व्यापार एक गंभीर समस्या है, जिसके लिए आर्थिक तंगी, भुखमरी इत्यादि अहम कारक हैं। यूनीसेफ के अनुसार दुनियाभर के कुल बाल मजदूरों

में 12 फीसदी हिस्सेदारी अकेले भारत की है। हालांकि भारत में बाल श्रम (निषेध व नियमन) अधिनियम 1986 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के जीवन एवं स्वास्थ्य के लिए अहितकर माने गए किसी भी प्रकार के अवैध पेशों तथा कई प्रक्रियाओं में नियोजन को निषिद्ध बनाता है। वर्ष 1996 में उच्चतम न्यायालय ने भी अपने फैसले में संघीय और राज्य सरकारों को खतरनाक प्रक्रियाओं तथा पेशों में कार्य करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें कार्य से हटाने और गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। अगर मौजूदा समय में बालश्रम की स्थिति देखें तो करोड़ों बच्चे पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने की उम्र में भी उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र से लेकर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा इत्यादि लगभग पूरे देश के विभिन्न हिस्सों में कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश, ज्वैलरी, पीतल, कांच, बीड़ी उद्योग, हस्तशिल्प, पत्थर खुदाई, चाय बागान, बाल वेश्यावृत्ति इत्यादि कार्यों में लिप्त हैं। एक ओर जहां श्रम कार्यों में लिप्त बच्चों का बचपन श्रम की भट्ठी में झुलस रहा है, वहीं कम उम्र में खतरनाक कार्यों में लिप्त होने के कारण ऐसे अनेक बच्चों को कई प्रकार की बीमारियां होने का खतरा भी रहता है। खतरनाक कार्यों में संलिप्त होने के कारण बाल श्रमिकों में प्रायः श्वास रोग, टीबी, दमा, रीढ़ की हड्डी की बीमारी, नेत्र रोग, सर्दी-खांसी, सिलिकोसिस, चर्म-रोग, स्नायु संबंधी जटिलता, अत्यधिक उत्तेजना, ऐंठन, तपेदिक जैसी बीमारियां हो जाती हैं।

हालांकि भारत में बालश्रम को लेकर स्पष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 5 से 14 वर्ष के 25.96 करोड़ बच्चों में से 1.01 करोड़ बालश्रम की दलदल में धकेले गए थे लेकिन बालश्रम निषेध के लिए बने तमाम कानूनों और उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद यह समस्या कम होने के बजाय निरन्तर बढ़ती गई है। गैर सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत में वर्तमान में पांच करोड़ से ज्यादा बाल मजदूर हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो देश में कुल बाल मजदूरों में से करीब 80 फीसद बच्चे गांवों से ही हैं और खेती-बाड़ी जैसे कार्यों से लेकर खतरनाक उद्योगों और यहां तक कि वेश्यावृत्ति जैसे शर्मनाक पेशों में भी धकेले गए हैं। शहरों तथा कस्बों में तो बच्चे ऐसे माहौल में काम करने को विवश हैं, जहां उनके स्वास्थ्य के साथ खुलकर खिलवाड़ होता है।

बालश्रम के खिलाफ कार्यरत संगठन 'बचपन बचाओ आंदोलन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 7-8 करोड़ बच्चे अनिवार्य शिक्षा से वंचित हैं और इनमें से अधिकांश बच्चे संगठित अपराध रैकेट के शिकार होकर बाल मजदूरी के लिए विवश किए जाते हैं जबकि शेष गरीबी के कारण स्कूल नहीं जा पाते। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर देश में सेक्टर आधारित बाल मजदूरी पर नजर डालें तो बच्चों की सबसे बड़ी करीब 33 फीसदी आबादी खेती से जुड़े कार्यों में लगी थी जबकि करीब 26 फीसदी बच्चे खेतिहर मजदूर थे। भारत में बाल मजदूरों की सर्वाधिक संख्या देश के पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश में है। श्रम विशेषज्ञों का मानना है कि बालश्रम केवल गरीबी की ही देन नहीं है बल्कि इसका संबंध समुचित शिक्षा के अभाव से भी है।

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, %अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।% साइरस मुस्कराए फिर बोले %आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं।% उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, %मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।%

अहंकार मुक्त जननायक नरेन्द्र सिंह तोमर

सुरेश हिन्दुस्थानी

(12 जून जन्म दिवस पर विशेष)

वर्तमान में देश की राजनीति का जो स्वरुप हमारे सामने है, उसमें धवल चित्र और चरित्र की पहचान करना बहुत ही कठिन कार्य है। लेकिन कुछ चेहरे ऐसे भी हैं, जो लोकतंत्र की कसौटी पर खरे उतर रहे हैं। भारतीय राजनीति के लोकपथ पर अहर्निश और अनथके योद्धा के रुप में गमन करने राजनेताओं की कोई श्रंखला बनाई जाए तो वह सूची निश्चित रुप से केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के नाम के बिना अधूरी ही कही जाएगी। वे प्रारंभ से लेकर आज तक सत्यनिष्ठा और उज्जवल छवि के साथ लोक जीवन में अबाध गति से सक्रिय हैं। श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने सत्ता बहुत निकट से देखी है और उसे जीया भी है, लेकिन उनके अंदर किसी ने भी आज तक सत्ता का अहंकार नहीं देखा। आज के जमाने में ऐसे नेता विरले ही होते हैं।

राजनीति में मात्र छोटे से पद को प्राप्त करने के बाद जहां अन्य राजनेता अपने आपको अतिविशिष्ट श्रेणी का राजनेता मानने की भूल कर बैठता है, वहां नरेन्द्र सिंह तोमर राष्ट्रीय राजनीति में पहुंचने के बाद भी अपने आपको आम व्यक्ति की तरह बनाए हुए हैं। यह चरित्र और स्वभाव ही उनकी विशेषता है। नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रदेश और देश की राजनीति में ठोस कदम रखकर जो ठोस धरातल कायम किया है, वह निश्चित रुप से एक तपस्या है, एक साधना है। वे राजनीतिक वैभव की जगह समन्वय और सादगी में विश्वास करने वाले राजनेता हैं। यह उनके स्वयं के गुण और परिवार तथा संगठन से मिले संस्कारों का ही परिणाम है कि उनके पास अहंकार नाम की कोई चीज नहीं है। जब वे मंत्री नहीं थे तब भी और आज मंत्री बनने के बाद भी वे अत्यंत सहज हैं और पूरी आत्मीयता के साथ ही सभी से मुलाकात करते हैं। उन्होंने वास्तव में आम और खास की दूरी को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के लिए न तो कोई खास है और न ही कोई आम। सबके प्रति समदृष्टि और समता का व्यवहार ही उनकी कार्य शैली का महत्वपूर्ण अंग है। उनके व्यवहार को देखकर ऐसा ही लगता है कि सब उनके अपने हैं और वे आम जनता के लिए अपने हैं। कहीं कोई भेद नहीं। मध्य प्रदेश के

मुरैना जिले में पोरसा विकासखंड के तहत आने वाले ग्राम ओरेठी में मुंशी सिंह तोमर नामक किसान के पुत्र नरेंद्र सिंह तोमर का जन्म 12 जून 1957 को हुआ था। उन्होंने स्नातक की शिक्षा ग्रहण की है। वे इस दौरान महाविद्यालय में छात्र संघ के अध्यक्ष भी रहे। शिक्षा पूरी करने के बाद वे ग्वालियर नगर निगम के पार्षद पद पर निर्वाचित हुए। इसके बाद वे पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय रहे। वे 1977 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बनाए गए। वे युवा मोर्चा में विभिन्न पदों पर रहते हुए 1996 में युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष बनाए गए। बाद में वे मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी में कई जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बाद अध्यक्ष बनाए गए। तोमर पहली बार 1998 में ग्वालियर से विधायक निर्वाचित हुए और इसी क्षेत्र से वर्ष 2003 में दूसरी बार चुनाव जीता। इस दौरान वे सुश्री उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान मंत्रिमंडल में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री भी रहे। बात करने की बजाए काम को प्राथमिकता देने वाले तोमर पहली बार प्रदेश के मुरैना संसदीय क्षेत्र से वर्ष 2009 में लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे इसके पहले प्रदेश से राज्यसभा सदस्य थे। इसके बाद तोमर ग्वालियर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद निर्वाचित हुए और वर्तमान में एक बार फिर से मुरैना श्योपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए नरेंद्र सिंह तोमर संगठनात्मक क्षमता के कुशल रणनीतिकार के रूप में जाने जाते हैं। उन्हें वर्ष 2008 में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने उत्कृष्ट मंत्री के रूप में सम्मानित किया था। भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणा पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय चाहते थे कि देश में जब तक अंतिम छोर पर निवास करने वाले समाज के उत्थान के बारे में नहीं सोचा जाएगा, तब तक भारत का विकास संभव ही नहीं है। वैसे तो पूरी भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार अवधारणा पर ही अपना पूरा ध्यान केन्द्रित कर योजनाओं को संचालित कर रही है, लेकिन उनके सपनों को पूरी तरह से साकार करने के लिए केन्द्र सरकार की टीम के महत्वपूर्ण सदस्य नरेन्द्र सिंह तोमर ने अपनी सारी योजनाओं को गांवों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।

नुपुर की झँकार का कमाल मुस्लिम देश एकजुटः भारत का मौन....?

ओमप्रकाश मेहता

मुस्लिमों के आखरी पैगम्बर, हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम साहब के खिलाफ बयान देने वाली भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता श्रीमती नुपुर शर्मा को पार्टी ने चाहे निलम्बित कर दिया हो, किंतु भारत के मुस्लिमों सहित विश्व के सभी देश अभी भी उसे भाजपा का ही वक्तव्य मान रहे है और भारत के प्रति नाराजी व्यक्त कर रहे है, मुस्लिम देशों का कहना है कि भारत में भाजपा सत्ता में है और ऐसे विस्फोटक बयानकर्ता के खिलाफ सिर्फ पार्टी से निलम्बन पर्याप्त नहीं है, सरकार को अपराध दर्ज कर नुपुर को शीघ्र गिरतार चाहिये तथा सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि नुपुर के इस गंभीर अपराध पर सिर्फ अब तक पार्टी ने कार्यवाही की है, सरकार ने कोई भी कार्यवाही नही की, सरकार इस मसले पर मौन धारण करके बैठी है, जिसे ÷मौन्÷ सम्मति लक्षण्÷ माना जा रहा है।

भारत में शायद पहली बार ऐसा वक्त आया है जब यहाँ के महज एक बयान ने पूरे विश्व में खलबली मचा दी है और विश्व के मुस्लिम देश व उनके संगठन भारत के दुश्मन बन गए है, इसी बयान के परिणाम स्वरूप अलकायदा ने दिल्ली, मुम्बई, गुजरात और उत्तरप्रदेश में आत्मघाती हमलों की धमकी दी है, यही नहीं नुपुर के इस बयान के बाद भारत में भी कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर आदि शहरों में खलबली है तथा इन शहरों के जिला प्रशासकों के तबादले किकए गए है, इन शहरों पर सरकार की तीखी नजर

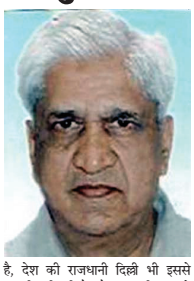

है, देश की राजधानी दिल्ली भी इससे अछूती नहीं रही है और वहां की सरकारें भी इस मामले पर सतर्क है। विश्व के एक दर्जन से अधिक मुस्लिम देशों ने इस मामले में भारत के प्रति तीखी नाराजी व्यक्त की है, केन्द्र सरकार के मौन पर ये सभी देश आश्चर्य व्यक्त कर अभी भी इसे भाजपा का ही बयान मानकर चल रहे है।

सबसे अहम् बात यह भी है कि इस बयान से उपजी क्राँति की आड़ में भारत के कट्टर विरोधी पड़ौसी पाकिस्तान ने मौके का फायदा उठाकर खाड़ी क्षेत्र के मुस्लिम देशों को भारत के खिलाफ भड़काना शुरू कर दिया है और इन देशों ने जो कि कल तक प्रधानमंत्री मोदी जी के गले मिल रहे थे, अब उनकी सरकार के खिलाफ तीखी बयानबाजी शुरू कर दी है। जिसमें पाकिस्तान उनका पूरा साथ दे रहा है। अब तक विश्व के करीब सोलह देश इस आपत्तिजनक बयान के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करवा चुके है, किंतु भारत सरकार अभी भी इस मामले में पूरी तरह मौन है। इसी कारण अब इराक-लीबिया व तालिबान तक भारत को कट्टरपंथ पर ज्ञान दे रहे है। जबकि आत्मघाती हमले की धमकी ÷अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट÷ (एक्यूआईएस) ने दी है और भारत सरकार इन धमकियों को गंभीरता से लेने की जगह इन धमकी भरी चिट्ठियों की जांच में ही जुटी है।

जहाँ तक इस मामले के अन्तर्राष्ट्रीय असर का सवाल है, इस बयान से विश्व के मुस्लिम देशों में तो ठीक, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र संघ तक में खलबली है, भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ में अपना पक्ष मजबूती से रखा है।

बात सिर्फ यही तक नहीं, अब तो इस घटनाक्रम को लेकर गल्फ देशों की नाराजी का भी आंकलन किया जाने लगा है, एक तो खाड़ी देशों में भारतीयों के साथ यहां के मजदूरों की संख्या काफी ज्यादा है और इस घटनाक्रम से ये सभी डरे सहमें है, साथ ही भारत के राजनायिक व कूटनीतिक सम्बंधों के साथ आर्थिक सम्बंधों पर असर पर भी चिंता वयक्त की जाने लगी है, मसलन तेल और गैस की इन देशों पर पूर्ण निर्भरता यदि कुछ ज्यादा गड़बड़ियाँ हुई और भारत के प्रति ये देश नाराज हुए तो तेल और गैस का भारत में भीषण संकट पैदा हो सकता है, साथ ही विदेशों से भारत आने वाले पैसे में भी खाड़ी के ये देश सबसे आगे है। जैसे कोरोना काल के पहले वर्ष 2019-20 में खाड़ी देशों में रहने वाले लोगों ने 6.30 लाख करोड़ रूपए से ज्यादा भारत में भेजा था।

सूडोकु नवताल- 6099

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6098 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

धर्मध्वजी पहल क्यों न करें?

वेदप्रताप वैदिक

पैगंबर मोहम्मद के बारे में दिए गए बयानों के बारे में जो गलतफहमियां फैल गई हैं, उन्हें अभी तक शांत हो जाना चाहिए था, क्योंकि भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि उन बयानों से उसका कुछ लेना-देना नहीं है और भाजपा ने अपने बयानबाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी कर दी है। लेकिन देश के दर्जनों शहरों में जिस तरह के हिंसक प्रदर्शन हुए हैं, तोड़-फोड़ और मार-पीट की गई है, वह किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं है। जिन मुसलमान भाइयों ने गुस्से में आकर ये सब कारनामे किए हैं, उनसे अगर आप पूछें कि किस बयान की किस बात पर आप नाराज़ हैं तो उन्हें उसका कुछ पता ही नहीं है। शुक्रवार की नमाज़ के बाद किसी ने उन्हें उकसा दिया और वे अपनी जान हथेली पर रखकर सड़कों पर उतर आए, मानो इस्लाम खतरे में है। पैगंबर मोहम्मद की भूमिका अब से डेढ़ हजार साल पुरानी अरब दुनिया में इतनी क्रांतिकारी रही है कि उसे कोई किसी टीवी विवाद में क्या एक वाक्य के द्वारा मिटा सकता है? टीवी चैनलों पर चल रही बहसों में आजकल ऐसे लोगों को बुलाया जाता है, जो तथ्यशील और तर्कशील होने की बजाय एक-दूसरे पर गोले बरसाने में माहिर होते हैं। ऐसी बहसें लोगों का बरबस ध्यान खींचती हैं। उससे चैनलों की टी.आर.पी. गरमाती है। ज्ञानवापी की उस बहस में भी यही हुआ। एक वक्ता ने शिवलिंगों की मजाक उड़ाई तो दूसरे वक्ता ने पैगंबर के बारे में वह कहकर अपना जवाब दे दिया, जो कुछ अरबी हदीसों में भी लिखा है। दोनों कथन टाले जा सकते थे लेकिन उन्हें कुछ लोगों ने तिल का ताड़ बना दिया। हालांकि उन टिप्पणियों से न तो शिवजी का बाल बांका होता है और न ही पैगंबर साहब की शान में कोई गुस्ताखी होती है लेकिन यह भी सत्य है कि जो इनके भक्त लोग हैं, उन्हें बहुत बुरा लगता है। इस बुरा लगने को भी टाला जाए तो जरुर टाला जाना चाहिए। जो लोग भी ऐसे आपत्तिजनक और दर्दनाक बयान देते हैं, उन्हें तथ्यों और तर्कों के आधार पर गलत सिद्ध किया जाना चाहिए, जैसा कि महर्षि दयानंद ने अपने युग प्रवर्तक ग्रंथ 'सत्यार्थप्रकाश' में किया है। उन्होंने अंतिम 4 अध्याय अन्य धर्मों की समीक्षा में लिखे हैं तो पिछले 10 अध्यायों में उन्होंने अपने पिताजी के पौराणिक हिंदू धर्म के परखचे उड़ा दिए हैं। यही काम यूरोप और अरब देशों के कुछ साहसी विद्वानों ने अपने-अपने धर्मों और उनके मूल धर्मग्रंथों के बारे में भी किया है। अभी डेढ़-दो सौ साल पहले तक भारत में सभी धर्मों के विद्वान खुले-आम 'शास्त्रार्थ' किया करते थे।

दुल्हन इस प्रकार करे तैयारी

शादी के समय सबके आकर्षण का केन्द्र दुल्हन रहती है। ऐसे में इस दिन सबसे खूबसूरत नजर आने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

शादी से पहले

- रोज़ाना के हिसाब से अपना लक्ष्य बनाएं। सामान्य रूप से रोज़ाना 1200 से 1500 कैलरी तक लेते हैं पर ध्यान रखें कि दिन भर में कम से कम तीन मेन मील्स और दो स्मॉल मील स्नैक्स, फल, नट्स, स्टीम्ड और फर्मेंटेड फूड जरूर लें।
- शादी से पहले चाहे कितनी भी दौड़भाग हो पर नाश्ता और खाना समय पर खायें। डाइट में पर्याप्त प्रोटीन के साथ सही मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होना जरूरी है। फिट रहने के चक्कर में कुछ लोग रोटी नहीं खाते, ऐसा न करें। शॉपिंग के लिए घर से निकलते वक्त साथ में बादाम, पंपकिन सीड्स या फ्लैक्स सीड्स ज़रूर रखें। इससे आपको गुड फैट, प्रोटीन और हाई फाइबर मिलेगा।
- सुबह की शुरुआत ग्रीन टी, एक केले या सेब के साथ करें। नाश्ते में केला और बादाम (दही के साथ) लें, या सलाद के साथ 2 उबले अंडे लें। स्टफ्ड पनीर रोटी, एग व्हाइट, मशरूम और पालक में से किसी एक चीज़ को अपने मील में जरूर शामिल करें। वेजिटेबल सूप या रात में गर्म दूध पिएं।
- रोज़ाना 3-4 लीटर पानी पिएं।
- मसालेदार व फाइड फूड्स से परहेज़ करें। संतुलित डाइट के लिए ज़रूरी चीज़ें हैं- फल, जूस, दूध, अंडे, नट्स और होल ग्रेन।
- दोपहर के खाने में सब्ज़ी, दाल/ चिकेन या मछली को रोटी या चावल के साथ लें।
- शाम को छाछ, सूप, स्प्राउट्स या पीनट्स खाएं।
- रात में ग्रिल की हुई सब्ज़ी या ब्राउन राइस से बनी एक कटोरी खिचड़ी लें। आप चाहें तो वेज दलिया भी ले सकते हैं।
- लो फैट मिल्क प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। एल्कोहॉल और धूम्रपान से दूर रहें। कैलरी में कटौती करना चाहते हैं तो सबसे पहले चीनी, आइसक्रीम, केक, चॉकलेट, कुकीज़, पेस्ट्री और प्रोसेस्ड फूड को अपने डाइट से हटाएं।

त्वचा की देखभाल

- स्किन केयर रूटीन के लिए दुलहन को 6 हफ्ते पहले से कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जिससे शादी के दिन स्किन चमकती, फ्रेश और साफ नज़र आए।
- चौथे और छठे हफ्ते में डीप क्लींजिंग फेशियल करवाएं जिससे टैनिंग और गंदगी को स्किन से दूर रखा जा सके।
- दिन में कम से कम दो बार अपने चेहरे और शरीर पर मॉइश्चराइज़र लगाएं। कोहनी, घुटनों, पैरों और हाथों पर कोल्ड क्रीम लगाकर हर रात इनकी सफाई करें जिससे इन पर कालापन न आए।
- हर हफ्ते एक होममेड पैक या फेस मास्क ज़रूर लगाएं। अगर आपकी त्वचा सामान्य है तो एक टीस्पून आटा, चुटकी भर हल्दी पाउडर, दो-तीन बूंदे नींबू के रस की, 1/2 टीस्पून दूध का लेप बनाकर आधे घंटे के लिए चेहरे, गर्दन और हाथों पर लगाएं। इसे सूखने पर धोएं। इससे त्वचा निखर जाएगी।
- पिंपल और एक्ने हटाने के लिए पुदीने के पत्तों का पेस्ट बना लें और रात में अपने चेहरे पर लगा लें। इसे सुबह धो लें। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो मुलतानी मिट्टी में गुलाबजल डालकर पतला पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर पूरी तरह सूखने दें और फिर धो लें।
- एक टीस्पून चंदन पाउडर और गुलाबजल का पेस्ट बनाकर चेहरे और गर्दन पर लगा लें। सूखने पर धो दें।
- ड्राई स्किन के लिए एक टीस्पून मिल्क पाउडर में नींबू की कुछ बूंदें डालकर एक घोल बना लें। अपने चेहरे और गर्दन पर इसे लगाएं। 20 मिनट बाद धो दें।
- बॉडी वैक्स करा सकते हैं लेकिन पहले त्वचा की संवेदनशीलता का टेस्ट करा लें। ऐसा एक्सपर्ट से कराएं।असुविधा न हो तो बिकिनी वैक्स भी कराएं।
- सलॉन में जाकर 3-4 लुक खुद पर आज़माकर देख लें। अगर आपको उनमें से कोई पसंद न आए तो किसी और पैकेज का चुनाव करें।
- सलॉन जाकर हाइड्रेटिंग फेशियल लें। सिर और बॉडी का मसाज, मेनिक्योर व पेडिक्योर कराएं। आराम करें और भरपूर नींद लें।
- शॉवर लेने से पहले मिल्क स्क्रब लगाएं। कॉटन बॉल्स को दूध में भिगोकर स्क्रब करें। दूध त्वचा को हाइड्रेड करता है और टैनिंग दूर करके त्वचा को नमी प्रदान करता है।
- आईब्रोज़ को सही आकार दें। इन्हें मोटा या पतला करना चाहती हैं तो अभी कर लें।
- अगर त्वचा ऑयली है तो दो से तीन बार ऑयल फ्री मॉइश्चराइज़र फेसवॉश से चेहरा धोएं। फेशियल सूट न करे तो हर पंद्रह दिन में क्लीन-अप करवाती रहें। अगर त्वचा रूखी है तो सोप, एल्कोहॉल बेस्ड क्लींज़र व स्क्रब का इस्तेमाल न करें। सिर्फ दूध से बने मॉइश्चराइज़र या क्रीम का इस्तेमाल करें।

लहंगे का है खास महत्व

शादी ब्याह के दौरान पहने जाने वाले परिधानों में लहंगे का खास महत्व होता है। रंग-बिरंगे धागों की कारीगरी इसे और खास बना देती है। इसमें जितनी घनी व खूबसूरत कढ़ाई होती है, उतना ही कीमती यह परिधान होता है। लहंगा शादी में पहनने के लिए खरीदना हो या किसी पार्टी या त्योहार में पहनने के लिए, इसका सही चयन करना बेहद जरूरी है।

इसमें खूबसूरती निखारने की जाने वाली एंब्रॉयडरी का चलन 15वीं शताब्दी में शुरू हुआ। उस दौर में यह विधा कपड़े की मरम्मत के लिए इस्तेमाल की जाती थी। धीरे-धीरे लोगों को समझ में आया कि धागों की मदद से कलात्मक एंब्रॉयडरी भी की जा सकती है। पर्शिया, भारत और यूरोपीय देशों में एंब्रॉयडरी को उच्च वर्ग के फैशन का अनिवार्य हिस्सा समझा जाता था। आम लोगों के पहनावे का हिस्सा यह कई सालों बाद बनी।

जरदोजी है सबसे पुरानी कला

लेजी-डेजी, क्रॉस स्टिच, थ्री-डी नॉट, चेन स्टिच आदि एंब्रॉयडरी के प्रमुख स्टिचेज़ हैं। जरदोजी बेहद पुरानी कला है पर आज भी इसका महत्व कम नहीं हुआ है। इसके तहत मटैलिक वायर्स से विशेष प्रकार की कढ़ाई की जाती है। कुंदन वर्क जैसी पारंपरिक एंब्रॉयडरी के साथ ही लेस एप्लीक व पर्ल वर्क जैसी कटेंपेरेरी एंब्रॉयडरी भी चलन में है।

मौके के हिसाब से करें चयन

एंब्रॉयडरी लहंगे के चयन का प्रमुख आधार है। अगर आप दुल्हन के लिए लहंगा खरीद रही हैं तो भारी एंब्रॉयडरी वाला एलीगेंट लहंगा चुनें। वहीं अगर किसी त्योहार पर पहनने के लिए लहंगा खरीदने जा रही हैं तो ब्ल्यू, येलो, ऑरेंज जैसे किसी ब्राइट कलर के धागों की एंब्रॉयडरी वाले परिधानों का चयन करें। रंग के चयन के समय अपने रंग और पर्सनैलिटी का भी ध्यान रखें।

40 की उम्र के बाद महिलाएं ऐसे रखें अपनी सेहत का ख्याल

घर परिवार का ध्यान रखने के दौरान महिलाएं अपनी सेहत की ओर ध्यान नहीं देतीं, ऐसे में 40 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते वे बिमारियों की गिरफ्त में आने आने लगती हैं। महिलाओं को सुबह शाम उठते बैठते जोड़ों और घुटनों में दर्द होने लगता है। महिलाओं में आर्थराइटिस (जोड़ों के दर्द) का कारण पोषक तत्वों की कमी और मोटापा है।

आम तौर पर महिलाएं इसे उम्र बढ़ने का संकेत मानकर नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में विशेषज्ञ से संपर्क कर शुरुआता में ही इलाज करा लें। घुटनों में सुबह-सुबह दर्द, अकड़न, लॉकिंग एवं पॉपिंग से शुरुआत होने से लेकर जोड़ों में सूजन होने तक, यह आर्थराइटिस के संकेत हो सकते हैं जोकि एक प्रगतिशील ज्वाइंट स्थिति है और अधिकतर भारतीय महिलाएं इन संकेतों को नजरअंदाज करती हैं।

सही समय पर पहचान

वहीं महिलाएं तभी डॉक्टर के पास जाती हैं जब यह स्थिति ऐसे स्टेज में पहुंच जाती है जब दर्द असहनीय हो जाता है। याद रखें कि देरी होने से जोड़ों को होने वाला नुकसान कई गुणा बढ़ा सकता है। यदि इसका शुरुआती चरणों में इलाज हो जाए, तो पारंपरिक उपचारों की मदद से इस स्थिति को बढ़ने में विलंब किया जा सकता है।

वजन पर नजर

मोटापा बढ़ना महिलाओं में जोड़ों की बिमारी का बड़ा कारण है। हमारे जोड़ कुछ हद तक ही वजन उठा सकते हैं। प्रत्येक एक किलो अतिरिक्त वजन घुटनों पर चार गुना दबाव डाल सकता है। क्षमता से अधिक वजन जोड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए सही वजन का मतलब है स्वस्थ जोड़।

30 मिनट की वाक: हर दिन 30 मिनट की वॉक हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकती है।

छोटी-मोटी चोटों को गंभीरता से लें: हम जोड़ों के आसपास लगी छोटी-मोटी चोटों को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। इससे हानिकारक स्थितियां पैदा हो सकती हैं, जैसे भविष्य में आर्थराइटिस हो सकता है। यदि दर्द बार-बार हो रहा है तो विशेषज्ञ की सलाह लें। हम अक्सर ऐसे मरीजों को देखते हैं जहां ज्वाइंट इंजरी ज्वाइंट डिजनरेशन का कारण बन जाती हैं।

शरीर के पॉइंट पर रखें नजर: गलत पॉइंट से जोड़ों, खासतौर से घुटने पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। घुटने शरीर में सबसे अधिक भार सहन करने वाले जोड़ हैं। इससे घुटने में दर्द हो सकता है। सही पॉइंट रखना, काम के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लेना, नियमित रूप से स्ट्रेचिंग करना और अपने पॉइंट को बीच-बीच में ठीक करने से घुटने के दर्द को कम करने में मदद मिलती है।

अपने मन से दर्दनिवारक दवाओं का इस्तेमाल न करे: आमतौर पर, हम अक्सर शरीर में दर्द होने पर डॉक्टर से सलाह लिए बिना दर्दनिवारक दवाओं का सहारा लेते हैं। दर्दनिवारक दवाओं से भले ही हमें दर्द से फौरन राहत मिल जाती है पर वह सही इलाज नहीं है।

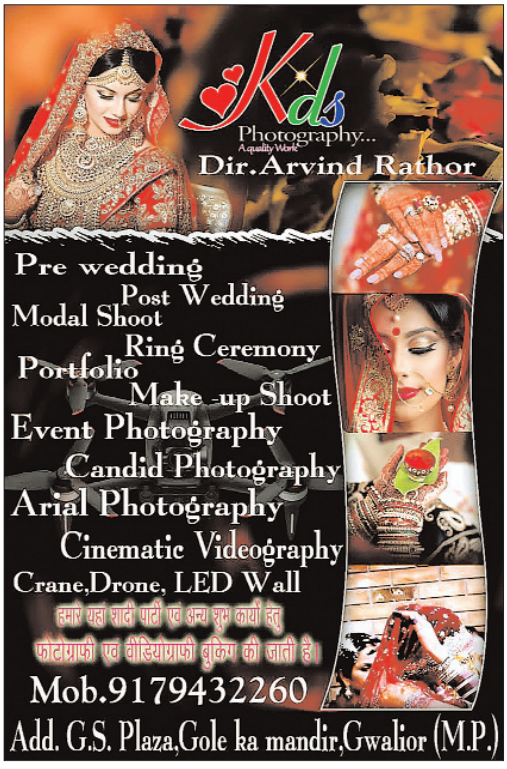

फैशन के ये टिप्स जानती हैं आप

आजकल के जमाने में हर लड़की को कुछ फैशन टिप्स मालूम होनी चाहिये जिससे वह बेहतर तरीके से रह सके। अगर आप अपनी नई जींस को ऑल्टर के लिए दे रही हैं तो टेलर को देने से पहले दो बार जींस को वॉश कर लें, क्योंकि धोने के बाद ज्यादातर जींस सिकुड़ जाती है।

- पुराने कपड़ों से किसी तरह की गंध आ रही है तो इसके लिए आप बोटल में पानी और वोडका को मिलाकर स्प्रे करें। ध्यान रखें बोटल में एक तिहाई वोडका डालें।
- अगर आपके पसंदीदा हैंडबैग पर तेल के दाग लग जाते हैं, तो इसके लिए आप तेल के स्पॉट के ऊपर बेबी पाउडर लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह तक, दाग गायब हो जाएगा। यदि थोड़ा सा दाग अभी भी रहता है, तब इसी प्रक्रिया को तब तक दोहराएं जब तक कि दाग पूरी तरह से नहीं चला जाता।
- डायमंड को हमेशा चमकदार बनाए रखने के लिए उसे लिक्विड डिश वॉश से किसी पुराने ब्रश की मदद से साफ करें।
- अगर आपके पास कभी स्टोर में जींस ट्राई करने का टाइम नहीं है तो आप अपनी गर्दन से नापकर भी जींस खरीद सकते हैं। इसके लिए आप अपनी गर्दन के चारों ओर जींस की कमर रखें। यदि जींस की कमर आपके गले के पीछे आराम से मिलती है, तो आपकी जींस आपको फिट आएगी।
- अगर आपके कपड़ो पर लिपस्टिक का दाग लग गया है तो इसे आप बहुत आराम से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए आपको लिपस्टिक के स्पॉट पर हेअर स्प्रे लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ना होगा। इसके बाद आप उस कपड़े को वॉश कर लें।
- अगर आपकी फेवरेट ड्रेस पर वैक्स गिर गई है तो इसके लिए आप उस पर वैक्सिंग स्ट्रीप रखें और ऊपर से गर्म प्रेस करें। वैक्स पिघल जाएगी। इसके बाद आप स्ट्रिप को हाथों पर वैक्सिंग की तरह हटाएंगे तो आपकी ड्रेस से वैक्स आसानी से बाहर आ जाएगी।
- लेदर शूज से वॉटरमार्क हटाने के लिए, एक कटोरी में ठंडा पानी ले और इसमें सिरके की कुछ बूंद डाले। अब जहां जहां दाग है उन पर मुलायम ब्रश से तब तक स्क्रब करें जब तक दाग हट ना जाएं। अब इसे पूरी रात सूखने दें।
- अपनी डार्क जींस को धोते समय जब आप उसे आखरी पानी से निकालेंगे तो उस पानी में आधा कप सिरका भी मिला लें। इससे उसकी शेड बरकरार रहेगी।
- अगर आपक ब्लश या ब्रॉन्जर बैग में टूट गया तो आप इससे लूज पाउडर बना सकती हैं, जो आपकी स्किन से दाग-धब्बों को छुपाने का काम करता है।

इन पीलिंग हैक्स से आपके किचन का काम हो जाएगा आसान, आज ही करें ट्राई

महिलाओं का ज्यादातर समय किचन में ही बीतता है। ऐसे में वे रसोई के कामों में बिजी रहती हैं। मगर आज हम आपके लिए काम को आसान करने के लिए कुछ आसान पर कारगर टिप्स लेकर आए हैं। हर किसी की किचन में वेजीटेबल पीलर तो जरूर होता हैं। मगर यह पीलर सब्जियां छीलने के साथ और भी कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे आपका काम आसान होने में मदद मिलेगी। चलिए जानते हैं इसके बारे में...

प्याज काटना

अगर आप प्याज को पतला व लंबा काटना चाहते हैं तो इसके लिए पीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपका प्याज एकदम सही तरीके व आसानी से कट जाएगा।

फोजन बटर स्लाइस के लिए

सुबह-सुबह फोजन बटर को स्लाइस करना मुश्किल हो जाता है। इसके लिए आप पीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

ड्रिंक्स के लिए सिट्रस स्किन निकाले

कॉकटेल ड्रिंक्स या फ्रूट जूस को गार्निश करने के लिए लोग संतरे या नींबू की स्किन का इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए परफेक्ट स्ट्रिप्स पाने के लिए आप पीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए पीलर से संतरे या नींबू की स्किन को पील करके ड्रिंक को गार्निश करके सर्व करें।

मोटी मिर्च के बीज निकालने के लिए

अक्सर लोग मोटी मिर्च का अचार या पकौड़े खाना पसंद करते हैं। मगर इसके बीज तीखे होने के कारण वे इसे मिर्च से बाहर निकाल देती हैं। मगर चाकू से इसे निकालते समय मिर्च हाथों पर लग जाती है। इसके कारण हाथों में जलन, खुजली या रेडनेस की समस्या सताने लगती है। इससे बचने के लिए आप पीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए मिर्चों को बीच से काट पीलर की मदद से इसके बीज निकाल लें।

चीज श्रेड करने के लिए

आमतौर पर लोग पास्ता या सैंडविच पर चीज श्रेड करके खाते हैं। इसे करने के लिए आप पीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाने से पति, पत्नी,और बेटे की मौत बेटी घायल

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद -थाना गोहद के कठुवां गुर्जर गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों के आत्महत्या करने की खबर ने सनसनी फहला दी गोहद से भिंड तक खबर आग की तरह फैल गई लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था यहाँ बालिका की सिसकियों की आवाज आने पर उसकी जिंदगी बच गई घटना की गम्भीरता को देखते हुए पूरे जिले से पुलिस बल बुलाया गया महिला के परिजनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की

पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार गोहद थानाक्षेत्र के कठुवां गुर्जर गांव में धर्मेंद्र पुत्र मानसिंह गुर्जर उम्र 32 वर्ष ने अपनी पत्नी श्रीमती अमरेश उम्र 30वर्ष पुत्र प्रशांत एवं बिटिया मीनाक्षी के साथ आत्महत्या करली जिसमे मीनाक्षी की जान बच गई धर्मेंद्र के घर मे दाखिल होते ही आँगन के बाद ही दो कमरे है जिसका रास्ता एक ही है कमरे में घुसते ही पहले कमरे में धर्मेंद्र का शव फाँसी पर झूल रहा तथा उसी कमरे में जमीन पर प्रशांत का शव था जिसके गले मे रस्सी

के फंदे के निशान थे इसी कमरे में मीनाक्षी भी थी उसकी सिसकियों की आवाज ने उसे दूसरी जिंदगी देदी इसी के अंदर के कमरे में अमरेश का शव फंदे से लटका हुआ था

घर का दरवाजा न खुलने से पहुचे लोग

धर्मेंद्र सिह गुर्जर काफी मिलनसर प्रवर्ति का व्यक्ति था हर किसी के सुखदुख में भाग लेता था और उसके घर के दरवाजे सुबह 6बजे खुल जाते थे लेकिन 7बजे तक घर के सदस्य बाहर नही निकले तो पड़ोसियों ने घर मे पहुंचकर दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई जब ध्यान से से सुना तो बिटिया मीनाक्षी की सिसकियां चल रही थी तभी ग्रामीण लोगों ने सूचना पुलिस को दी और तथा स्थित को बताया थाना प्रभारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए परिजनों को बताया वीडियो ग्राफी के साथ गेट खोलने का प्रयास करें जब तक पुलिस भी पहुंच रही है परिजनों ने ग्रामीणों की सहायता से दरवाजा खोलने की कोशिश की तब तक पुलिस भी मौके पर पहुंच गई अंदर बच्ची की सांस चलते देख तुरंत अस्पताल भेजा जहां प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर कर दिया और थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दी जिसके बाद मौके पर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान पहुंचे वहीं एफ एल टीम भी मौके पर पहुंची जहां बारीकी से सभी तथ्यों पर जानकारी एकत्रित करते हुए प्राइवेट एंबुलेंस से तीनों शवों को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम कराते हुए शव परिजनों को सौंपा एवं अंतिम संस्कार कराया

दिनभर चला बैठकों का दौर, महापौर उम्मीदवार शोभा सिकरवार ने कैलादेवी के दर्शन किये

ग्वालियर। नगर निगम में कांग्रेस से महापौर पद की उम्मीदवार श्रीमती डॉ.शोभा सतीश सिकरवार ने आज कैलादेवी माता मंदिर में पूजा अर्चना कर दर्शन किये और आमजनों से मिलकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया। मीडिया से चर्चा करने पहुंचे प्रतिनिधियों के सवालों के जबाब देते हुए उन्होंने कहा कि शहर का चहुमुखी विकास मेरी प्रथमिकता है। कांग्रेस पार्टी एक जुट है और इस बार कांग्रेस की जीत होगी। आज शहर में पेयजल, खराब सड़कें, उफ्नती सीवर लाइनें आम आदमी की परेशानी का कारण बनी हुई हैं। साथ ही मँहगाई और बेरोजगारी भी एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि सफई ब्यबस्था बेहतर करना, लोगों को शुध्द पेयजल उपलब्ध कराना, अच्छी सड़कें बनबाने के साथ, साथ शहर के पार्कों का शोन्द्रीयकरण के कार्य प्रथमिकता के आधार पर करबायेंगे। कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा कि कटोराताल को और सुंदर बनाएंगे और आमजन का प्रवेश वहां निःशुल्क करबायेंगे। साथ ही आज कांग्रेस जनों का मिलने का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कांग्रेसजनों के साथ बैठकें चुनाव तैयारियों पर चर्चा की।

नगर परिषद दबोह में नामांकन प्रक्रिया हुई शुरू

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-आगामी नगरीय चुनाव के चलते दबोह नगर परिषद में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।यह जानकारी दबोह रिटर्निंग ऑफिसर अमित दुबे ने दी।उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि नामांकन की प्रक्रिया रविवार अवकाश को छोड़ लगातार 07 दिवस तक सुबह 10ः30 से दोपहर 03ः00 बजे तक चलेगी।उन्होंने बताया कि जो भी इक्छुक अभ्यर्थी है वह नगर परिषद में अपना फॉर्म भर सकते हैं।वहीं रिटर्निंग ऑफिसर अमित दुबे ने बताया कि नगर परिषद में नाम निर्देशन की जानकारी के सम्बंध में सूचना आरक्षक की स्तिथि को नप दबोह सूचना पटल पर भी चस्पा करा दिया गया है।

347 नगरीय निकाय चुनाव के लिए आज से जमा होंगे नामांकन पत्र

भोपाल। प्रदेश के 16 नगर निगम सहित 347 नगरीय निकायों के चुनाव के लिए शनिवार से प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। चुनाव दो चरण में होंगे। सभी जिलों के कलेक्टर द्वारा सुबह साढ़े दस बजे अधिसूचना जारी करने के साथ नामांकन पत्र जमा करने का क्रम प्रारंभ हो जाएगा, जो 18 जून तक चलेगा। इस बार चुनाव प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रणाली से होंगे। नगर निगम के महापौर का चुनाव सीधे मतदाता करेंगे तो नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष का चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली यानी पार्षदों के माध्यम से होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि दोनों चरणों के लिए नामांकन पत्र एक साथ जमा किए जाएंगे। अधिसूचना के साथ सीटों के आरक्षण की सूचना भी जारी की जाएगी। पहले चरण में 11 नगर निगम, 36 नगर पालिका और 86 नगर परिषद के चुनाव कराए जाएंगे। जबकि, दूसरे चरण में पांच नगर निगम, 40 नगर पालिका और 169 नगर परिषद के चुनाव होंगे। चुनाव के लिए 19,977 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। आलीराजपुर, मंडला और डिंडौरी ऐसे जिले हैं, जहां निकायों का कार्यकाल पूरा नहीं होने के कारण चुनाव आम निर्वाचन के साथ नहीं कराया जाएगा। चुनाव में एक करोड़ 53 लाख 23 हजार 738 मतदाता हिस्सा लेंगे। पहले चरण का मतदान छह जुलाई और दूसरे चरण का 13 जुलाई को होगा। पहले चरण की मतगणना और परिणाम की घोषणा 17 जुलाई और दूसरे चरण की 18 जुलाई को होगी।

पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत भदैयाकुंड शिवपुरी में वृक्षारोपण के साथ विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी के तत्वाधान में अन्तराष्ट्रीय पर्यावरण श्रंखला कार्यक्रम अंतर्गत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विनोद कुमार के निर्देशन में एवं जिला न्यायाधीश एवं सचिव श्रीमती अर्चना सिंह की अध्यक्षता में एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री शैलेष अवस्थी की उपस्थिति में भदैयाकुंड पर फलदार एवं छायादार पौधे रोपित किये गये। इस अवसर पर श्रीमती अर्चना सिंह ने अमरूद, नीबू, अशोक, शीशम आदि के पौधे रोपकर उपस्थित पैरालीगल वॉलेंटियर को पर्यावरण संरक्षण और संवर्द्धन विषय के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही इस अवसर पर मुख्य

नगरपालिका अधिकारी श्री शैलेष अवस्थी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने जन्मदिवस एवं शादी की वर्षगांठ पर पौधे लगाने अथवा पौधे को उपहार स्वरूप देने की परम्परा अपनाकर प्रत्यक्ष तौर पर पर्यावरण संतुलन में अपना योगदान प्रदान कर सकते है। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री डॉ.वीरेन्द्र चढ़ार, सहायक ग्रेड-03 के श्री प्रहलाद बघेल, समस्त पैरालीगल वॉलेंटियर श्री गौपाल राठौर, श्री कपिल धाकड़, श्री अमन बेड़िया, श्री अमित दांगी, श्री गजेन्द्र श्री मिथुन, श्री ललित, श्री मोहसिन, श्री अभिषेक, कु.सजिया बानो, कु.स्वाति आदि उपस्थित रहें।

आदतन अपराधियों एवं बाउंड ओवर करने के लिए थाना प्रभारी ने गांव गांव जाकर चिपकाए पेंप्लेट

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद -थाना प्रभारी राजेश सातनकर द्वारा गांव गांव जाकर आदतन अपराधियों की छानबीन की जा रही है वहीं शरारती तत्वों को वाउंड ओवर किया जा रहा है ज्ञात हो ग्राम पंचायत जनपद जिला पंचायत के साथ नगर पालिका के चुनाव भी शीघ्र होने हैं जिसके लिए पुलिस ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपुसे के निर्देशानुसार एसडीओपी आरकेएस राठौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गोहद राजेश शातनकर थाना प्रभारी गोहद चौराहा रविंद्र शर्मा उप निरीक्षक ब्रजमोहन सिंह भदोरिया एवं उपेंद्र धाकड़ सहित अन्य पुलिस बल गांव जाकर आदतन अपराधियों की तलाश कर रहा है साथ ही बाउंड ओवर की भी कार्रवाई की जा रही हैं एवं फरारी आरोपियों को धरपकड़ की जा रही है वही अवैध शराब जुआ सट्टा आदि पर लगाम लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष निर्देश दिए गए हैं जिनके तहत थाना प्रभारियों द्वारा तत्परता से कार्य किया जा रहा है गांव गांव जाकर चेतावनी के पंपलेट भी लगाए जा रहे हैं और लोगों को सजग किया जा रहा है साथ ही समझाइश दी जा रही है आगामी किसी भी चुनाव में शांतिपूर्वक मतदान करें कोई भी शरारत करने की कोशिश ना करें पुलिस हर जगह अपनी पैनी नजर रखे हुए हैं किसी भी कीमत पर अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा इसलिए शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव में भाग लेते हुए मतदान करें साथ पुलिस ने रात में वाहनों की चेकिंग की

थाना दबोह पुलिस की धमाकेदार कार्यवाही

अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब 250 लीटर कीमती 30 हजार रूपये की जप्त

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-क्षेत्र में पंचायत चुनाव में चलाये जा रहे अवैध शराब की घटनाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक भिण्ड श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार खरपुसे के निर्देशन में अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारियों को कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया था।इसी तारतम्य में अनुविभागीय अधिकारी लहार श्री अवनीश बंसल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दबोह राजकुमार शर्मा एवं उनकी टीम व थाना लहार की पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही द्वारा दिनांक 11.06.22 को मुखबिर की सूचना पर तस्दीक हेतु थाने से एवं थाना लहार के फोर्स की संयुक्त टीम द्वारा रवाना होकर दबोह कोंच रोड पुलिया के पास ब्रजेश कंजर के मकान के सामने कंजर डेरा कुंअरपुरा पहुँचा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी तो एक व्यक्ति अपने घर के सामने प्लास्टिक के ड्रम एवं कैन रखे हुये दिखाई दिया।जो पुलिस को आता देख भाग गया,जिसे मुखबिर एवं पुलिस टीम द्वारा ब्रिजेश कंजर के रूप में पहचाना की गई जो प्लास्टिक के ड्रमों व क्रेन मे अवैध कच्ची हाथ भट्टी की बनी शराब बिक्री करने के लिये लाया था।जो बेचने की फिराक में था जिसे फोर्स की मदत से दबिश दी मौके पर अबैध

शराब को जप्त किया जो करीब 250 लीटर कीमती 30 हजार रूपये की है।जिसे मौके पर उपस्थित पंचान के समक्ष जप्त कर जप्ती पंचनामा बनाया गया।बाद जप्त सुदा कच्ची शराब को जमा मालखाना किया गया वापसी पर असल अपराध क्र 85/22 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का कायम किया गया है आरोपी की तलास जारी है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका: उक्त उल्लेखनीय कार्य में थाना प्रभारी दबोह निरी.राजकुमार शर्मा,सउनि अवनीश शर्मा,सउनि राजकिशोर तिवारी,आर.587 आनंद कुशवाह, आर.1150 संजय परिहार एवं थाना लहार का फोर्स सउनि दीवान सिह, प्रआर 133 हरपाल सिह, प्रआर 233 संजय शर्मा,आर.1250 विशाल मिश्रा सैनिक भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रही हैं।

मतदान दिवस के पूर्व तथा मतदान और मतगणना के दिन होगी वीडियोग्राफी

भोपाल। मतदान दिवस के पूर्व तथा मतदान के दिन एवं मतगणना दिवस को प्रचार-प्रसार के दौरान आचार संहिता से संबंधित प्रावधानों के पालन की निगरानी और अन्य कानून व्यवस्था संबंधी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी की जाएगी। वीडियोग्राफी नाम निर्देशन-पत्र लिये जाने के दौरान, विशेषतः नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने के अंतिम दिन, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा, नाम वापसी तथा प्रतीक आवंटन के दौरान, अभ्यर्थियों द्वारा किये जाने वाले प्रचार-प्रसार जैसे मंत्रियों, राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दलों के बरिष्ठ राजनेताओं की सभा के दौरान, प्रचार-प्रसार के अन्तिम दिवस को, रैली, जुलूस आदि के दौरान, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त होने पर जाँच के दौरान, राजनीतिक सभाओं में व्यवधान उत्पन्न करने वाली घटनाएँ, मतदाताओं को धमकाने, डराने संबंधी शिकायतें, मतदाताओं को प्रलोभन संबंधी शिकायतें, जैसे- पैसा, साड़ी, धोती, कम्बल इत्यादि का वितरण, ई.व्ही.एम. की तैयारी तथा रेण्डमाइजेशन के दौरान, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों, जैसे महापौर/अध्यक्ष एवं पार्षद पद के अभ्यर्थियों द्वारा प्रचार-प्रसार पर एवं अन्य खर्चों की निगरानी के लिए, मतदान दिवस पर अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर, सामग्री एवं मशीनों का वितरण एवं प्राप्ति के समय, मतगणना के दौरान, परिणाम की घोषणा एवं डी.एम.एम. की सीलिंग के दौरान, स्ट्रांग रूम के खुलने एवं बंद होने के दौरान और अन्य अवसरों तथा घटनाओं की वीडियोग्राफी, जिसे आवश्यक समझा जाएगा की जाएगी।

नगरीय निकाय चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं को है टिकट मागने का अधिकार : कौरव

महेंद्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

मौं। भारतीय जनता पार्टी मंडल मौं की मंडल कार्यसमिति की बैठक नगर के कुशवाह मैरिज गार्डन नया बस स्टेन्ड मौं पर आयोजित की गई बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी की जिला मंत्री राजेश कौरव एवं विशेष अतिथि के रुप में पूर्व मंडल अध्यक्ष रघुबीर पवैया एंव शेलेन्द गुर्जर जी उपस्थित थे बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशवाह ने की कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा पार्टी के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया बैठक के प्रारंभ में मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशवाह ने स्वागत भाषण देते हुए मंडल कार्यसमिति की बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत की और कहा पार्टी कार्यकर्ता पंचायत एवं नगरी निकाय चुनाव में पूरी लगन एवं मेहनत से भाजपा प्रत्याशियों को जिताने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा दे पार्टी के लिए यह चुनाव आगामी मिशन 2023 से पहले सेमीफाइनल की तरह है पार्टी संगठन भी

यह कोशिश करेगा कि ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया जाए जो जीतने की क्षमता रखता हो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित पार्टी के जिला मंत्री राजेंश कौरव ने कहा की टिकट मांगने का हक पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को है लेकिन पार्टी जिस किसी को टिकट दे दे हम सबको मिलकर फिर पूरी ताकत से पार्टी को जिताने का संकल्प लेना होगा पार्टी का सरपंच जनपद सदस्य जिला पंचायत सदस्य पार्षद नगर पालिका अध्यक्ष बनेगा तो उससे पार्टी की ताकत बढ़ेगी एवं कार्यकर्ता का मान सम्मान बढ़ेगा इसलिए हम सबको पूरी ताकत से नगरी निकाय एवं पंचायत चुनाव में भाजपा को जिताने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा देना

है इस अवसर पर विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित पूर्व मंडल अध्यक्ष रघुबीर पवैया ने कहा पार्टी हमारे लिए मां के समान है इसलिए हम सब कार्यकर्ताओं को अपना निजी स्वार्थ छोड़कर पार्टी का जैसा आदेश हो उसका पालन करना है हमें यह कोशिश करनी होगी की पार्टी ज्यादा से ज्यादा स्थानों पर जीते जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में हमें उसका लाभ मिल सके । बैठक में नगरीय निकाय के 15 वार्डो से उम्मीदवारी कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपना अपना बायोडाटा भी प्रस्तुत किया इन सभी बायोडाटा को जिला संगठन को भेजा जाएगा जिला संगठन की कोर कमेटी इस पर विचार करेगी ।बैठक का संचालन मंडल महामंत्री सुल्तान मौर्य एवं अंत में आभार प्रकट मंडल महामंत्री राजू मिश्रा द्वारा किया गया बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के बरिष्ठ नेता बिजेन्द सिंह पटेल किसान मोर्चा मंण्डल अध्यक्ष पर्वत जादोंन पिछड़ा बर्ग मोर्चा मंण्डल अध्यक्ष हरीराम राठौर सज्जन सिंह यादव शुरेश छरी हरनारायण कुशवाह युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रामख्तयार गुर्जर रहीश अंसारी मेहबूब खांन राजाराम जैन नंन्दू सोनी बीरेन्द यादव फोजी पंचम जाटव डां बेताल गोड़ शतीष परिहार रामू कुशवाह सोनू खांन पप्पन यादव प्रहलाद यादव राम यादव बकील यादव करु यादव सोमबीर सिबहरे राजेश कुशवाह पंकज कुशवाह नरेन्द कुशवाह करु खांन राजीव जैन जीतू राजपूत हांसिम राईन हरीचंन्द यादव मुरारी यादव शिशुपाल यादव बंन्टी गुर्जर अजय झां रामकुमार जादोंन रामकेश गुर्जर रघुराज जितरबई कोमल यादव सोनू शर्मा बीरेन्द यादव गुप्ता जाटव रामनरेश कुशवाह धर्मेन्द राणा गिर्राज राणा ओमी पवैंया बबली यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

मोबाइल वापस मिलने पर मोबाइल मालिकों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

ग्वालियर पुलिस की सायबर सेल ने दो माह में खोजे 12 लाख 91 हजार रूपये कीमत के 70 मोबाइल

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे को मोबाइल गुम होने संबधी आवेदन लगातार प्राप्त हो रहे है। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा उक्त आवेदनों पर कार्यवाही कर उन्हे टेऊस करने हेतु *अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पूर्व/अपराध) श्री राजेश डण्डौतिया* को निर्देशित किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध द्वारा सायबर सेल में एक टीम को ग्वालियर जिले से गुम हुये मोबाइलों को टेऊस कर शीघ्र बरामद करने हेतु लगाया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में *उप पुलिस अधीक्षक अपराध श्री रत्नेश सिंह तोमर एवं श्री विजय सिंह भदौरिया* के मार्गदर्शन में कार्य करते हुये थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच ग्वालियर निरी0 संतोष यादव एवं प्रभारी सायबर सेल उपनिरीक्षक रजनी सिंह रघुवंशी द्वारा मोबाइल गुम होने संबधी प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करने हेतु सायबर सेल की टीम को लगाया गया। सायबर सेल टीम द्वारा उक्त आवेदनों पर कार्यवाही

करते हुये विभिन्न कम्पनियों के गुम हुए मोबाईलों को ट्रेस कर बरामद किया गया। *सायबर सेल की टीम ने माह अप्रैल-मई 2022 में लगभग 12 लाख 91 हजार रूपये कीमत के 70 मोबाइल बरामद किये जो कि एप्पल, ओपो, वनप्लस, सेमसंग, वीवो, टेक्नो, रेडमी, रीयलमी, एमआई, लाईफ, मोटोरोला आदि* कंपनियों के है। जिनको आज दिनांक 11.06.2022 को पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार में आयोजित कांफ्रेंस में पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया गया। बरामद किये गये उक्त मोबाईल पत्रकार, हॉस्पिटल नर्स, महिला रिसेप्सनिस्ट, प्रायवेट कम्प्यूटर ऑपरेटर, बैक कर्मचारी, सुनार की दुकान पर काम करने वाले व ऊर्जकी कैटरिंग का काम करने मजदूर वर्ग, स्टूडेंट, ग्रहणियों तथा पुलिस कर्मचारियों आदि के थे। इनमे से कुछ आवेदक ऐसे भी थे जो कि पुनः मोबाइल खरीद ही नही पाये। मोबाइल प्राप्त करने वाले *एक छात्र ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि वह स्वंय छात्र है व अपनी पॉकेट मनी से पैसा जोड़ कर मैने यह मोबाइल अपनी छोटी बहन को गिफ्ट किया था जो कि कुछ महिनों बाद गुम हो गया था। इसी क्रम में सिलाई-कढ़ाई का काम करने वाली एक आदिवासी लड़की ने बताया कि अपनी कमाई से एक-एक पैसा जोड़ कर मैने यह मोबाइल खरीदा था, जो कि बाजार में कहीं गुम हो गया था। एक स्कूली छात्रा ने बताया कि उसके पिता एक किसान है और वह अच्छी शिक्षा के लिये मुझे ग्वालियर मे रख कर पढ़ा रहे है ऑनलाइन क्लासेस लेने के लिये उनके द्वारा मुझे यह मोबाइल दिया गया था, जो कि कहीं गुम हो गया था। परन्तु ग्वालियर पुलिस की सायबर सेल की वजह से मुझे मेरा मोबाइल वापस मिल गया।* मोबाइल वापस मिलने पर सभी मोबाइल धारकों के चेहरे पर पुनः मुस्कान लौट आई। मोबाइल मालिकों द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं सायबर सेल की टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। *पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सायबर सेल की टीम को उक्त सराहनीय कार्य हेतु पुरष्कृत करने की घोषणा की है।

सराहनीय भूमिका उक्त मोबाइलों को खोजने में सायबर सेल में पदस्थ प्रभारी सायबर सैल उनि0 रजनी रघुवंशी, प्रआर0 के.पी. यादव, संजय जादौन, आर0 जैनेन्द्र गुर्जर, कपिल पाठक की सराहनीय भूमिका रही।

कोरोना बढ़ता देख रेलवे सतर्क, यात्रियों को दी जा रही मास्क पहनने की समझाइश

स्टेशन प्रबंधकों को निर्देश, मास्क बांटें

भोपाल। कोरोना संक्रमण को बढ़ता देख रेलवे ने भोपाल मंडल समेत प्रदेश के सभी स्टेशनों पर मास्क पहने की समझाइश देनी फिर से शुरू कर दी है। यदि संक्रमण इसी तरह बढ़ता गया तो रेलवे मास्क अनिवार्य भी कर सकता है। फिलहाल भोपाल रेल मंडल के 95 स्टेशनों पर अभियान चलाकर रेलवे अपने यात्रियों को मास्क पहनकर रखने व हाथों को नियांमत अंतराल में धोने के लिए प्रेरित कर रहा है।

भोपाल रेल मंडल ने सभी स्टेशन प्रबंधकों से कहा है कि यात्रियों को मास्क का वितरण कर उन्हें मास्क पहनकर रखने के लिए प्रेरित करें। स्टेशनों के अनाउंसमेंट सिस्टम से भी मास्क पहनने की सलाह दी जाने लगी है। कोरोना संक्रमण कम होने के बाद इन सभी नियमों में शिथिलता बरती जाने लगी थी। भोपाल रेलवे स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक एसएल मीना का कहना है कि स्टेशन पर रेलकर्मियों की मदद से यात्रियों

सीएम ने ट्वीट कर कहा प्रदेश की पंचायतें समरसता और विकास के एक नए रचनात्मक पथ पर अग्रसर

प्रदेश की 112 पंचायतों में सरपंच निर्विरोध चुने गए

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार शुक्रवार देर शाम तक 20 जिलों में 112 सरपंचों के निर्विरोध चुने जाने की जानकारी आई है। यह संख्या बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि मध्य प्रदेश की पंचायतें समरसता और विकास के एक नए रचनात्मक पथ पर अग्रसर हैं। मुझे खुशी है कि बुधनी विधानसभा की भी अब तक 25 ग्राम पंचायतें एवं अन्य जिलों की पंचायतें समरस ग्राम पंचायत बन चुकी हैं।

साथ ही जनपद के सात वार्ड में भी जनप्रतिनिधि निर्विरोध चुने गए हैं। मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने जनता से समरस पंचायत चुनने की अपील की थी।

सीएम ने दी बधाई

बुधनी विधानसभा क्षेत्र में 25 समरस (सभी प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित) ग्राम पंचायत बनने और जनपद के सात वार्डों में जनप्रतिनिधि निर्विरोध चुने जाने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बधाई दी है।

निर्विरोध निर्वाचन पर है प्रोत्साहन राशि का प्रविधान

सरपंच का निर्वाचन निर्विरोध होने पर ऐसी पंचायतों को पांच लाख रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रविधान किया गया है। पंच से सरपंच तक सभी पदों पर महिलाएं चुनी जाती हैं तो 12 लाख रुपये और इन पदों के चुनाव में महिलाएं निर्विरोध जीतती हैं तो 15 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रविधान किया है।

शासकीय कार्यालयों में सप्ताह में पांच दिन का होगा कार्य दिवस

31 दिसम्बर तक रहेगी व्यवस्था

भोपाल। कोरोना संक्रमण की रोकथाम और बचाव के दृष्टिगत शासकीय कार्यालयों में सप्ताह में 5 दिवस कार्य दिवस सोमवार से शुक्रवार की सीमा 31 दिसम्बर 2022 तक बढ़ा दी गई है। राज्य शासन ने आज ही इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह व्यवस्था 30 जून 2022 तक के

झाबुआ में 250 ईसाई और रतलाम में 32 मुस्लिम लौटे सनातन धर्म में

इंदौर। आदिवासी बहुल झाबुआ और रतलाम जिले में घर वापसी के दो मामले सामने आए हैं। झाबुआ जिले के पेटलावद क्षेत्र के गुलरीपाड़ा गांव में 250 लोगों ने ईसाई धर्म छोड़कर सनातन धर्म में वापसी कर ली। रतलाम जिले के आंबा गांव में सात मुस्लिम परिवारों के 32 लोगों ने शिव मंदिर में पूजा के बाद पुन- हिंदू धर्म अपनाकर कई पीढ़ी पहले पूर्वजों के निर्णय में सुधार कर लिया। कुछ दिन पूर्व पेटलावद क्षेत्र में पंडित कमल किशोर नागर की कथा के बाद गांवों में धर्म

जागरण प्रभाव दिखाई दिया। पंडित कमल किशोर नागर बुधवार को गुलरीपाड़ा में श्रीराम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंचे तो वहां 250 लोग पुन- सनातन धर्म में लौट आए। उनका कहना है कि बीते वर्षों में किसी कारण से वे ईसाई बन गए थे, लेकिन अब घर वापसी सुखद अनुभूति है।

इसी तरह, सनातन धर्म में लौटने वाले मुस्लिमों ने शुक्रवार सुबह रतलाम के आंबा गांव में भीमनाथ महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। स्वामी आनंदगिरी महाराज की मौजूदगी में सभी ने गोमूत्र से स्नान कर जनेऊ धारण की। गुरुवार को उनकी घर वापसी के पहले सनातन धर्म अपनाने का शपथ पत्र भी तैयार करवाया गया था।

सनातन धर्म अपनाने वालों का कहना है कि ऐसा कर उन्होंने ईसाई बनने की 56 साल पुरानी भूल सुधारी है। अप्रैल में बेकल्दा गांव में भागवत कथा हुई थी। बदलाव की पहल पं. कमल किशोर नागर के धर्म जागरण अभियान से संभव हो पाई। गुलरीपाड़ा में हिंदू धर्म को लेकर उत्साह जागा। खास पहलू यह है कि यहां मात्र सवा महीने में राम दरबार मंदिर का निर्माण हुआ। बुधवार को प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में 250 ग्रामीणों की घर वापसी हुई। वे सभी धार्मिक आयोजनों में भी शामिल हुए।

425 रुपए में किसान को मिलेगी सुपर फास्फेट खाद, करीब डेढ़ सौ रुपये प्रति बोरी बढ़ गए दाम

भोपाल। खरीफ फसलों की बोवनी के पहले सरकार ने सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) खाद का विक्रय मूल्य तय कर दिया है। किसानों को 50 किलो की एक बोरी अब 425 रुपये में मिलेगी। पिछले साल की तुलना में 151 रुपये प्रति बोरी की वृद्धि की गई है। हालांकि सहकारी समितियों के पास जो खाद पहले से रखी है, उसे वे पुरानी दर पर ही बेचेंगे। किसान बोवनी से पहले खेत को तैयार करने के लिए सुपर फास्फेट (पाउडर) खाद का उपयोग करते हैं। दानेदार खाद का उपयोग अन्य खाद के साथ मिलाकर किया जाता है।

पिछले दिनों कृषि उत्पादन आयुक्त शैलेंद्र सिंह की अध्यक्षता में उर्वरक समन्वय समिति की बैठक हुई, जिसमें सिंगल सुपर फास्फेट की दर तय की गई। अब किसानों को सिंगल सुपर फास्फेट पाउडर की बोरी अब 274 रुपये की जगह 425 रुपये (151 रुपये वृद्धि) में मिलेगी। वहीं, दानेदार खाद 304 रुपये की जगह अब 465 (161 रुपये वृद्धि) रुपये में मिलेगी।

फोटो मीटर रीडिंग में लापरवाही पर 14 आउटसोर्स मीटर वाचकों की सेवाएं समाप्त

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग में लापरवाही बरतने के आरोप में सेवा प्रदाता कंपनी के माध्यम से कंपनी कार्यक्षेत्र में कार्यरत 14 मीटर वाचकों को ड्यूटी से पृथक करने के साथ ही एक मीटर वाचक का तीन दिन का वेतन काटा गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित मीटर की फोटो मीटर रीडिंग में लापरवाही बरतने और गलत मीटर रीडिंग लेने पर मीटर वाचकों पर सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं।

कंपनी कार्यक्षेत्र के सोहागपुर में 2, इटारसी में 2, बुदनी में 3, भोपाल में 3 एवं संचारण संधारण संभाग नसरूल्लागंज में 4 आउटसोर्स मीटर वाचकों को आदेशों की अवहेलना और मीटर वाचन में गड़बड़ी के आरोप में सेवा से पृथक करने के साथ ही सोहागपुर में एक मीटर रीडर का तीन दिन का वेतन काटा गया है।

कंपनी के प्रबंध संचालक गणेश शंकर मिश्रा ने मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि उपभोक्ताओं के परिसर पर एक्युरेसी (शुद्धता) के साथ मीटर वाचन होना चाहिए और मीटर रीडिंग के आधार पर ही उपभोक्ताओं को विद्युत देयक दिए जाएं।

मुरैना एवं भिण्ड में विभागीय कार्मिक करेंगे मीटर रीडिंग

मुरैना एवं भिण्ड शहर में उपभोक्ताओं के परिसर में मीटर रीडिंग के कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मीटर रीडिंग का कार्य कंपनी के नियमित विभागीय कार्मिकों से कराये जाने का निर्णय लिया गया है। उपभोक्ताओं को उनके परिसर की मीटर रीडिंग के दौरान मीटर वाचक द्वारा ली गई रीडिंग और मीटर में दर्ज रीडिंग पर नजर रखने को कहा गया है ताकि सही देयक मिल सके।

बेटी ने पत्थर से सिर कुचलकर मां को मार डाला, लाश पॉलीथिन में रख जंगल में फेंकी

बैतूल। परासिया स्टेट हाईवे पर 6 जून को जंगल में बंजारी माई के पास मिले बुजुर्ग महिला के शव के मामले का खुलासा हो गया है। बुजुर्ग महिला की हत्या बेटी और दामाद ने की थी। शव पॉलीथिन में लपेटकर कार में रखा और रानीपुर के जंगल में फेंक आए। बड़ी बहन से बोली- हम लोग नर्मदा स्नान करने गए थे, वहां मां नदी में बह गई। आरोपियों ने नर्मदापुरम में महिला की गुमशुदगी तक दर्ज करा दी थी। हत्या 5.89 लाख रुपए के लालच में की। पाथाखेड़ा की रहने वाली 60 साल की भागिरती झरबड़े की बेटी और दामाद के पुलिस ने जब बयान लिए तो वे थोड़ा हड़बड़ाए। पुलिस ने थाने ले जाकर जब सख्ती से दोनों से पूछताछ की तो दोनों ने हत्या करने की बात स्वीकार की।

5 लाख में बेची थी गांव की जमीन

हत्याकांड का खुलासा करते हुए SP सिमाला प्रसाद ने बताया कि भागिरती छोटी बेटी ऊषा और दामाद करन वाईकर के पास एक महीने से रह रही थी। कुछ दिन पहले ही उन्होंने गांव की जमीन 5 लाख 82 हजार रुपए में बेची थी। ये रुपए उन्होंने ऊषा के खाते में जमा करवा दिए थे। भागिरती की दो बेटियां हैं। इसीलिए तय किया था कि रकम दोनों में बराबर बांट देंगी। यह बात ऊषा को बताई तो वह गुस्से में आ गई। बोली- जब वह उसके साथ रह रही है तो फिर आधी रकम दीदी रेखा पाटिल निवासी पाथाखेड़ा को क्यों देगी।

भिखारिन के पति से की मारपीट, 15 हजार वसूले,2 पुलिसकर्मी सस्पेंड

इंदौर। इंदौर के एमजी रोड थाने में पदस्थ दो पुलिसकर्मियों को डीसीपी भदौरिया से सस्पेंड कर पुलिस लाइन अटैच कर दिया है. दोनों पुलिसकर्मियों पर अवैध वसूली का आरोप था. भीख मांगने वाली एक महिला की शिकायत पर ये कार्रवाई की. आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने महिला के पति के साथ मारपीट और अवैध वसूली की थी. जब उसने बड़े अफसरों से शिकायत की तो उसे थाने ले जाकर फिर पीटा था. सांवेर थाना इलाके में रहने वाला तुलसीराम इंदौर में मजदूरी करता है. एमजी रोड थाने में पदस्थ हरीश जाट और विश्वरत्न नाम पुलिस कर्मी तुलसीराम को संदिग्ध मानकर थाने ले गए. उसके साथ मारपीट की और उसके एटीएम से 15 हजार रुपये निकलवा कर अपने पास रख लिए. एटीएम से पैसे निकालने की रसीद लेकर तुलसीराम बड़े अफसरों के पास पहुंचा और पुलिस वालों की शिकायत कर दी. जैसे ही दोनों आरोपी पुलिसवालों को इस बात की भनक लगी. वो अफसरों के दफ्तर जाकर फिर से तुलसीराम को पकड़ कर थाने ले गए और फिर मारपीट की।

लाइन अटैच

दोषी पाए जाने पर दोनों को सस्पेंड कर दिया. निलंबन के दौरान उन्हें डीआरपी लाइन अटैच कर दिया गया है. साथ ही मामले में विभागीय जांच शुरू कर दी गयी है।

पीसीसीएम के पास करना होगा किराया वापसी के लिए दावा

सीट कंफर्म होने के बाद भी नहीं किया सफर तो भी हो सकता है टिकट वापस

भोपाल। रेल में सीट पक्की होने के बावजूद अगर सफर नहीं किया है तो कोई बात नहीं आपका टिकट का पैसा वापस हो सकता है। बस आपको रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) के पास किराया वापस लेने का दावा करना होगा। यदि पीसीसीएम दावा खारिज करते हैं तो उपभोक्ता फोरम जा सकते हैं। पूर्व में ऐसे मामलों में उपभोक्ता फोरम यात्रियों के पक्ष में रेलवे को राहत देने संबंधी निर्णय देता रहा है। दरअसल, इन दिनों ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ है। भीड़ के कारण कई बार यात्री ट्रेनों में चढ़ नहीं पा रहे हैं, जो चढ़ जाते हैं, उन्हें अपनी सीट पाने में पसीने छूट रहे हैं। यह स्थिति एसी, स्लीपर व सामान्य कोचों में बन रही है। गुरुवार को यह स्थिति बिहार के रहने वाले दीपांशु कुमार के साथ इटारसी स्टेशन पर बन गई थी। उनका संघमित्रा एक्सप्रेस में कंफर्म टिकट था, लेकिन भीड़ की वजह से वह चढ़ नहीं सके थे। कोरोना महामारी के बाद इस तरह की स्थिति दर्जनों यात्रियों के

साथ बन रही है। ट्रेन आई लेकिन भीड़ इतनी कि चढ़ नहीं सके तो रेल सुविधा नंबर 139 पर सूचना दें। डीआरएम, जीएम, आरपीएफ, रेल सुविधा व रेलमंत्री के ट्विटर हैंडल पर शिकायत करें। तुरंत स्टेशन प्रबंधक के पास जाएं। वहां मौजूद शिकायत पुस्तिका में शिकायत दर्ज करें। शिकायत की एक प्रति अपने पास रखें। किराया वापस पाने के लिए पीसीसीएम व उपभोक्ता फोरम में दावा प्रस्तुत करें। ट्रेन में चढ़े, लेकिन बर्थ पर नहीं बैठ पा रहे- सबसे पहले ट्रेन में वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों से मदद मांगें। इसके अलावा ट्रेन में आरपीएफ, जीआरपी जवान को बताएं। रेल सुविधा नंबर 139 पर सूचना दें। डीआरएम, जीएम, आरपीएफ, रेल सुविधा व रेलमंत्री के ट्विटर हैंडल पर जाकर मदद मांगें। इतने प्रयासों के बाद मदद मिलनी तय हैं। यदि नहीं मिलती हैं तो किराया पाने के लिए दावा करें। आप प्लेटफार्म पर खड़े हैं, कोच जहां बताया था, वहां नहीं लगा और ट्रेन छूट गई तो तुरंत स्टेशन प्रबंधक के पास जाएं। वहां मौजूद शिकायत पुस्तिका में शिकायत दर्ज करें।

नियमित कक्षा में पढ़ाने वाले शिक्षक ही राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए पात्र होंगे

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शिक्षकों को खुद अपनी उपलब्धियों की जानकारी आनलाइन स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की वेबसाइट पर 20 जून तक किए जा सकेंगे। इसमें शिक्षकों को अपनी जानकारी देनी होगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने निर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें शासकीय, स्थानीय निकास, अनुदान प्राप्त, प्राथमिक, माध्यमिक, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल, राज्य के माडल स्कूल एवं सीबीएसई और आइसीएसई बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में कार्यरत शिक्षक नामांकन के लिए पात्र होंगे। इस पुरस्कार के लिए ऐसे शिक्षक या प्राचार्य पात्र होंगे, जो नियमित रूप से कक्षा में पढ़ाते हो। इस पुरस्कार के लिए सेवानिवृत्त शिक्षक, शैक्षिक प्रशासक, शैक्षिक निरीक्षक एवं प्रशिक्षण संस्थाओं में कार्यरत अमला नामांकन के लिए पात्र नहीं होंगे। संविदा शिक्षक या अतिथि

पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022

कलेक्टर श्री सिंह ने की निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा

मतदान एवं मतगणना की व्यवस्थाएं बरसात को दृष्टिगत रखते हुए की जाएं

कलेक्टर श्री सिंह ने की निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा

ग्वालियर। त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022 की तैयारियाँ बरसात की संभावना को देखते हुए की जाएं। मतदान दलों को मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी स्थल के साथ-साथ मतदान केन्द्रों पर भी बरसात से बचाव के सभी प्रबंधन अवश्य किए जाएं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शनिवार को निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में यह निर्देश दिए हैं।

कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में पंचायत निर्वाचन एवं नगरीय निकायों के निर्वाचन के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई और अधिकारियों को सभी तैयारियाँ तेज गति से करने के निर्देश दिए। निर्वाचन कार्य को गंभीरता के साथ करने की हिदायत भी दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, एडीएम श्री इच्छित ग?पाले, एडीएम श्री एच बी शर्मा सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित निर्वाचन के लिये नियुक्त नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सर्वप्रथम पंचायत निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पंचायत निर्वाचन के लिये सभी मतदान दलों का भौतिक सत्यापन करने के साथ ही मतदान केन्द्रों को तैयार करने की कार्रवाई यथाशीघ्र पूर्ण की जाए। बरसात की संभावना को देखते हुए मतदान केन्द्रों पर भी बरसात से बचाव के सभी प्रबंधन किए जाएं। मतदान दलों को मतदान केन्द्र पर किसी प्रकार की समस्या न हो, ऐसे प्रबंधन किए जाएं। मतदान दल के सभी सदस्यों को शुद्ध पेयजल के साथ-साथ भोजन की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे पंचायत निर्वाचन के लिये संयुक्त रूप से मतदान केन्द्रों का भ्रमण करें और संवेदनशील तथा अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों के संबंध में अपनी रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा है कि निर्वाचन के दृष्टिगत अवैध शराब के परिवहन एवं विक्रय पर सख्ती से रोक लगाई जाए। आबकारी, विभाग पुलिस विभाग के साथ मिलकर सघन जाँच का अभियान चलाए। अवैध शराब का परिवहन करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही हो।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने यह भी निर्देशित किया है कि अन्य जिलों एवं राज्य से आने वाले वाहनों की चैकिंग के लिये नाकों की स्थापना भी शीघ्र की जाए। पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों को पंचायत एवं नगरीय निकाय में बाउण्ड ओवर की कार्यवाही भी तेजी से करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में यह भी कहा कि पंचायत चुनाव के पश्चात मतगणना का कार्य भी मतदान केन्द्रों पर ही किया जाना है। मतगणना के दौरान कोई अप्रिय स्थिति न बने, इसके लिये समय रहते सभी प्रबंध कर लिए जाएं। संपत्ति विरूपण की कार्यवाही ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में अभियान के रूप में की जाए।

नगरीय निकाय निर्वाचन के संबंध में चर्चा करते हुए मतदान केन्द्रों का सत्यापन शीघ्र करने के साथ ही मतदान केन्द्रों की सम्पूर्ण व्यवस्थायें निर्धारित समय-सीमा में करने के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश के परिवहन विभाग और कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत जी ने मध्यप्रदेश में करोना

महामारी के समय यात्री बसों पर लगने वाले मोटरयान

ग्वालियर। टैक्स में छूट देने की बात आई थी बहुत से बस वाले हमारे पास इकट्ठे होकर आए थे और हमने उनकी बात को माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखा था क्योंकि 3 महीने कोरोना महामारी के समय बसे पूर्णता बंद रही जब हमने यह बात मुख्यमंत्री जी के सामने रखी तो उन्हें लगा कि जब 3 महीने बसें पूर्णता बंद रही जब बसे चली ही नहीं तो इन का टैक्स 3 महीने का माफ करना चाहिए तो अप्रैल मई और जून 3 महीने का टैक्स पूर्णता माफ कर दिया गया इस मे सरकार को 103 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है जब चर्चा हुई तो मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नहीं जब 3 महीने बसे चली ही नहीं 103 करोड़ रुपए का घाटा जरूर हुआ है पर जब बसे चली भी नहीं तो इनका टैक्स माफ करना चाहिए यह प्रस्ताव कैबिनेट में आया था इसलिए अप्रैल मई-जून 3 महीने का टैक्स पूर्णता माफ कर दिया गया परिवहन विभाग और कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत जी ने मीडिया को बताएं।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर ने किया जुम्बा डांस, मस्ती, योगा शिविर का आयोजन

जीवाजी क्लब में आयोजित हुआ भव्य समापन समारोह, नारी शक्ति की सक्रिय भागीदारी

ग्वालियर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा एक जून से जुम्बा डांस, मस्ती योगा शिविर का आयोजन जीवाजी क्लब ग्वालियर में किया गया। प्रतिदिन प्रातः 6 से 7 बजे तक आयोजित इस शिविर में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर के सभी सदस्यों ने सपरिवार उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सक्रिय भागीदारी की। नृत्य, योगा व कला संस्कृति को समर्पित दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर के इस विहंगम आयोजन का समापन समारोह विगत दिवस जीवाजी क्लब, ग्वालियर में आयोजित हुआ जिसमें संस्था के मार्गदर्शक श्री अनिल जैन एवं श्री पारस जैन उपस्थित हुए। अतिथीगण ने प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार प्रदान कर इस तरह के आयोजनों में भागीदारी के प्रति उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर के अध्यक्ष आशीष जैन, सचिव शीतल जैन, संस्था के संस्थापक अनुपम चौधरी, पूर्व अध्यक्ष संजय जैन, मुकेश जैन सहित संस्था के पदाधिकारी एवं शिल्पी-धर्मेन्द्र जैन, अमृता-शीतल, आशीष-अंकिता, प्रशांत-रश्मि, रेखा-रूपेश, सारिका-प्रमोद, ज्योति-विकास, अपूर्वा-विपुल, हिमानी-विजय, अंजू-कमल, अनुपम-महिमा, अमित-पूजा, संजय-अंजू, मृणाली-मोहित सदस्यगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

समर्पण शाखा द्वारा : रेल्वेस्टेशन पर निशुल्क जल व शरबत का वितरण

ग्वालियर। भारत विकास परिषद शाखा समर्पण ने आज ग्वालियर पंजाबी परिषद समीति के साथ मिलकर रेलवेस्टेशन प्लेटफार्म नम्बर एक पर सभी निकलने वाली गाड़ियों के यात्रियों को निशुल्क जल व सरबत का वितरण किया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंजाबी परिषद के अध्यक्ष अशोक मारवाह,अध्यक्षता भारत विकास परिषद के प्रान्तीय महासचिव सुधीर अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि समन्वय अध्यक्ष शाखा पालक डॉ अनिल शर्मा रहे,इस में शाखा समर्पण की और से अध्यक्ष विम्मी सचदेवा , उपाध्यक्ष मधु धवन, सचिव मधु धीमान, संस्थापक संजय धवन, अनूप अग्रवाल, सम्पर्क प्रमुख गिरीश अग्रवाल,सेवा प्रमुख भूपेंद्र शर्मा, सह सचिव महेश धीमान,संस्कार प्रमुख पंकज शर्मा, पर्यावरण प्रमुख प्रदीप लक्षणे, पूर्व अध्यक्ष गुलाब प्रजापति,अनीता कपूर,अशोक गर्ग, नरेंद्र शिवहरे व मार्गदर्शक विजय अग्रवाल उपस्थित रहे पंजाबी परिषद की और से अशोक मरवाह,नरेंद्र बेदी,यशपाल कपूर,आत्म प्रकाश मोंगिया,प्रमिला मरवाह,अनीता कपूर,अनिल मेहलोत्रा दिलीप असनानी,सुनीता शर्मा,विनती गुलाटी,आलोक चौचड़ा,रविन्द्र परमनदा,रीना गंडोत्रा, के एन राठौर,राधा ठुकराल, रीत गांधी ने अपनी उपस्थिती दर्ज कराई। पंजाबी परिषद के उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत मोतियों की माला पहनाकर शाखा समर्पण के सभी सदस्यों के द्वारा किया गया। स्वागत उधबोधन विम्मी सचदेवा ने दिया,प्रांतीय महासचिव सुधीर अग्रवाल ने पंजाबी परिषद व शाखा समर्पण के इस पुनीत कार्य की प्रसंशा की। अशोक मरवाह ने समर्पण शाखा के सदस्यों को साथ कार्य करने का आव्हान किया व आज के इस कार्य के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन गिरीश अग्रवाल के द्वारा किया गया,एवम आभार संजय धवन के द्वारा किया गया।

जीवाजी विश्वविद्यालय का फूड टेक्नोलॉजी अध्ययन शाला में केंपस प्लेसमेंट का आयोजन हुआ

ग्वालियर। जीवजी विश्वविद्यालय की फुडटेक्नोलो अध्यनशाली मे गुरुवार को प्रीतिष्ठ कम्पनी रिबेल फूड्स प्रा लि ओर से कैम्पस प्लेसमेंट ओर व्याख्यान का आयोजन किया गया कर्यक्रम का शुभाराम माननीय कुलपति प्रो0 अविनाश तिवारी जीवजी विश्वविद्यालय की अध्यक्षता मे किया गया जिसमे उन्होंने छत्र /छात्राओं को फुड्टेक्लोजि के क्षेत्र मे उभरते हुआ अवसरो के लिए जागरुक किया ओर कहा की छात्र फूड प्रोसेसिंग यूनिट रिंटेल कम्पनी होटलस एग्री ।

एसेसिंग यूनिट रिलेटेड कंपनी होटल एग्रि प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी आदि से मिलकर काम कर सकते हैं और प्रयोगशाला में खेत वस्तु ओ पर रिसर्च की जा सकती है। फूडटेक्नोलो अध्ययन शाला के समन्वयक डॉ मनोज शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि फूड के बिना कल्पना नहीं की जा सकती आज फुट क इंडस्ट्रियल तौर पर निर्माण करने के लिए इस क्षेत्र मैं किराए की कई संभावनाएं है रिबेल फूड्स प्रा ली कंपनी के क्या क्वालितिमैनेजर मैनेजर और नॉर्थ इंडियन इंजॉय्ज श्री शाहिद खान ने अपने व्याख्यान मैं कहां की रेबलमैं कहां की रिबेल फूड्स प्रा ली क्लाउन किचन के क्षेत्र में काम कर रही है यह कंपनी कयों एस आरा कि वेकि वे स्विच रेस्टोरेंट्स के अंतर्गत आती है जो किफोजन फूड प्रौद्धति से प्रोडकट बनाने का कम करती है और विराट हैको काम समय से सुरक्षित फूड उपलब्ध करती है यह आने वाले समय में अपने रेस्टोरेंट सर्विस पर भी काम कर रही है जिससे छात्र-छात्राओं के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे प्लेसमेंट कार्यक्रम में विश्वविद्यालय और क्षेत्र के विभिन्न क्वालिटी से एम ऐ सी चतुर्थ सेमेस्टर के 36 छात्रों ने भाग लिया।

दिनभर चला बैठकों का दौर, महापौर उम्मीदवार शोभा सिकरवार ने कैलादेवी के दर्शन किये

ग्वालियर। नगर निगम में कांग्रेस से महापौर पद की उम्मीदवार श्रीमती डॉ.शोभा सतीश सिकरवार ने आज कैलदेवी माता मंदिर में पूजा अर्चना कर दर्शन किये और आमजनों से मिलकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया। मीडिया से चर्चा करने पहुंचे प्रतिनिधियों के सवालों के जबाब देते हुए उन्होंने कहा कि शहर का चहुमुखी विकास मेरी प्रथमिकता है। कांग्रेस पार्टी एक जुट है और इस बार कांग्रेस की जीत होगी। आज शहर में पेयजल, खराब सड़कें उफनती सीवर लाइनें आम आदमी की परेशानी का कारण बनी हुई हैं। साथ ही मँहगाई और बेरोजगारी भी एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था बेहतर करना, लोगों को शुध्द पेयजल उपलब्ध कराना, अच्छी सड़कें बनवाने के साथ, साथ शहर के पार्कों का शोन्दीयकरण के कार्य प्रथमिकता के आधार पर करवायेंगे। कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा कि कटोराताल को और सुंदर बनाएंगे और आमजन का प्रवेश वहां निःशुल्क करवायेंगे।

साथ ही आज कांग्रेस जनों का मिल्ने का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कांग्रेसजनों के साथ बैठकें चुनाव तैयारियों पर चर्चा की।

थाने से भागा दुष्कर्मी, 7 घंटे में फिर पकड़ा

हेड कॉस्टेबल मुंशी की झपकी लगते ही भागा आरोपी, पुलिस बोली- टॉयलेट के समय चकमा देकर भागा

यूनिवर्सिटी पुलिस रात को ही औरंगाबाद से पकड़कर लौटी थी

ग्वालियर के विश्वविद्यालय थाने से दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट का आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग गया है। पुलिस के लिए राहत की बात यह रही कि 7 घंटे बाद वह कंपू बस स्टैंड के पास से पकड़ा गया है। घटना शनिवार सुबह 5.30 बजे की है। पुलिस अफसरों का कहना है कि आरोपी टॉयलेट करने के बहाने पुलिस जवान को चकमा देकर भाग गया है, लेकिन एक खबर यह भी है कि दुष्कर्मी हेड कॉस्टेबल मुंशी की झपकी लगते ही चाबी निकालकर हथकड़ी सहित भागा है। हालांकि आरोपी के वापस पकड़े जाने पर पुलिस अफसरों ने राहत की सांस ली है। पुलिस अफसर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रहे हैं।

यह है पूरा मामला

ग्वालियर में पुलिस की गंभीर लापरवाही सामने आई है जहां विश्वविद्यालय थाने से अपहरण, रेप व पॉक्सो एक्ट का आरोपी धर्मवीर जाटव शनिवार सुबह ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को चकमा देकर हथकड़ी सहित भाग निकला है। बताया गया है कि ग्वालियर के विश्वविद्यालय क्षेत्र निवासी 17 वर्षीय तमन्ना (बदला हुआ नाम) से महलगांव निवासी धर्मवीर जाटव की सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। फिर दोनों में प्यार हो गया। इस दौरान धर्मवीर की औरंगाबाद में नौकरी लग गई। अभी पिछले सप्ताह धर्मवीर, छात्रा को अपने साथ बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया। यहां छात्रा के पिता ने थाने में मामले की सूचना दी। लापता के नाबालिग होने पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया था। शुक्रवार को पुलिस ने औरंगाबाद में दबिश देकर छात्रा को बरामद कर आरोपी धर्मवीर जाटव को हिरासत में ले लिया। लौटकर छात्रा ने धर्मवीर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। जिसके बाद पुलिस ने उसे हथकड़ी लगाकर विश्वविद्यालय थाने के हेड कॉस्टेबल मुंशी रूम में रखा था।

हथकड़ी सहित भागा, 7 घंटे में फिर पकड़ा

रातभर आरोपी को हथकड़ी लगाकर हेड कॉस्टेबल मुंशी रूम में ही रखा गया था। पर शनिवार सुबह 5.30 बजे आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग गया। आरोपी हथकड़ी सहित भागा था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478